A Daily News Magazine
भोपाल
मंगलवार, 22 अक्टूबर, 2024

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-54 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

महाराष्ट्र : प्रतिद्वंद्वी गठबंधनों में हर तरफ एक संभावित मुख्यमंत्री

पूर्वा चिटणीस

महाराष्ट्र के दोनों प्रतिद्वंद्वी मोर्चे अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने के लिए एक-दूसरे को चुनौती दे रहे हैं और दोनों ही अपना नाम घोषित करने से हिचक रहे हैं। इस बार छह प्रमुख दल मैदान में हैं- दो विरोधी गठबंधनों में बंटे हुए हैं जिन्हें अक्सर 'अप्राकृतिक' कहा जाता है- मौजूदा मुख्यमंत्री और पूर्व सीएम सहित संभावित उम्मीदवारों की भरमार है। सभी दलों ने अपने पसंदीदा नाम सामने रखे हैं और सत्ता के लिए इतने सारे दावेदारों के बीच, कोई भी गठबंधन आगे बढ़ने के लिए तैयार नहीं है।

सत्तारूढ़ महायुति में- जिसमें एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं, जो नाम चर्चा में हैं, उनमें मौजूदा मुख्यमंत्री शिंदे और उनके दो उप-मुख्यमंत्री शामिल हैं: भाजपा के देवेंद्र फडणवीस, जो खुद पूर्व मुख्यमंत्री हैं और अजीत पवार, जिन्होंने शीर्ष पद के लिए अपनी आकांक्षाओं को कभी नहीं छिपाया।

सहयोगियों के बीच मुश्किल गतिशीलता ने इसे और जटिल बना दिया है, जबकि शिंदे के समर्थकों को यकीन है कि वे एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगे, राकांपा के एक नेता ने शिवसेना नेता के 'बोझ' की निंदा की और कहा कि बिना सीएम चेहरे के चुनाव लड़ना बेहतर था। दूसरी ओर, लोकसभा चुनावों में महायुति को झटका लगा है – खास तौर पर भाजपा की सीटें 23 से गिरकर नौ पर आ गई हैं- भाजपा के वैचारिक स्रोत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े एक मराठी साप्ताहिक ने खराब प्रदर्शन के लिए पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी एनसीपी के साथ गठबंधन को जिम्मेदार ठहराया है।

दूसरी ओर, विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए)- जिसमें शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), एनसीपी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस शामिल- अब अपने घटकों के बीच सत्ता के बदले हुए संतुलन से जूझ रही है। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने उद्धव ठाकरे और शरद पवार पर भरोसा जताया था, लेकिन सबसे ज्यादा सीटें जीतने के बाद कांग्रेस को अपनी संभावनाओं पर भरोसा हो गया है। अब, ठाकरे- जो ढाई साल तक सीएम रहे- और एनसीपी (एसपी) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल और सांसद सुप्रिया सुले सहित कई कांग्रेसी मैदान में हैं। सीएम पद पर चेहरे की घोषणा के खिलाफ तर्क देते हुए, कांग्रेस नेता इस 'मानदंड' का हवाला दे रहे हैं कि मुख्यमंत्री उस सहयोगी से आता है जो सबसे ज्यादा सीटें जीतता है।

रविवार को एमवीए की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में ठाकरे ने कहा, 'महायुति को पहले अपना सीएम उम्मीदवार घोषित करने दीजिए। क्या महायुति चोरों और देशद्रोहियों के चेहरों के साथ चुनाव में उतरने के लिए तैयार है? उन्हें पहले अपना चेहरा घोषित करने दीजिए, हमारे पास कई चेहरे हैं यह चुनाव विकास आघाडी बनाम महायुति होने जा रहा है।' शरद पवार और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने इस पर अपनी सहमति जताई। इस चुनौती पर फडणवीस ने बुधवार को महायुति की प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिंदे का नाम लिए बिना कहा, 'एक मौजूदा मुख्यमंत्री है, हैं न? मैं पवार साहब को चुनौती देता हूं कि वे सीएम के लिए अपना उम्मीदवार घोषित करें।'

महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटें हैं, जहां 20 नवंबर को मतदान होगा और 23 नवंबर को वोटों की गिनती होगी। महायुति एक मौजूदा मुख्यमंत्री के साथ चुनाव लड़ेगी और शिवसेना नेताओं को कोई कारण नहीं दिखता कि शिंदे को अपने पद पर बने नहीं रहना चाहिए। हालांकि, अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, 'एकनाथ शिंदे अपने साथ बहुत सारे सामान और टैग लेकर चलते हैं और हमें उनके साथ क्यों जुड़ना चाहिए? अगर हम उन्हें सीएम का चेहरा घोषित करते हैं, तो हर नकारात्मक नीतिगत फैसला हमारे पास स्थानांतरित हो जाएगा। इसलिए सीएम का चेहरा घोषित न करना ही सबसे अच्छा है। हमारे लिए दादा (अजित पवार) ही हमारा चेहरा हैं।'

वे सीएम चेहरे को लेकर मतभेद 2019 में हुए विवाद की याद दिलाते हैं, जब अविभाजित शिवसेना ने भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था, लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर 25 साल पुराना गठबंधन टूट गया था। शिवसेना ने कहा कि भाजपा ने सीएम पद को उसके साथ बराबर के आधार पर साझा करने का वादा किया था, लेकिन फिर समझौते से मुकर गई। इसके बाद ठाकरे ने कांग्रेस और अविभाजित एनसीपी से हाथ मिलाकर खुद सीएम के तौर पर एमवीए सरकार बनाई। यही वह व्यवस्था है जिसे शिवसेना (यूबीटी) अब फिर से शुरू करना चाहती है।

एमवीए के भीतर, यह शिवसेना (यूबीटी) है जो गठबंधन से सीएम चेहरे की घोषणा करने के लिए कह रही है। चाहे वह खुद उद्धव ठाकरे हों या सहयोगी दलों में से कोई और। शनिवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में आयोजित अपनी पार्टी की दशहरा रैली में, ठाकरे ने खुद को मुखर किया और 2019 में महाराष्ट्र के सीएम के रूप में शपथ लेने का एक वीडियो साझा करके अपने भाषण का समापन किया। वहीं, एनसीपी (एसपी) के संरक्षक शरद पवार ने पहले कहा था कि चुनाव के बाद सीएम चेहरे की घोषणा की जाएगी, लेकिन बुधवार को उन्होंने संकेत दिया कि वह जयंत पाटिल- पार्टी के महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष- को राज्य का नेतृत्व करने के लिए आगे बढ़ा रहे हैं। बुधवार को उनके निर्वाचन क्षेत्र इस्लामपुर में एक रैली में पाटिल को भावी सीएम के रूप में पेश करने वाले बैनर देखे गए। रैली में पवार ने कहा, 'यह आपकी, मेरी और पूरे महाराष्ट्र की इच्छा है कि जयंत पाटिल राज्य के पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी लें।' उधर लोकसभा चुनाव के नतीजों ने कांग्रेस को राज्य में एक सीट से 13 सीटों पर पहुंचा दिया है। इससे कांग्रेस को अपना उम्मीदवार खड़ा करने का हौसला मिला है। राज्य पार्टी अध्यक्ष नाना पटोले से लेकर विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार, कांग्रेस विधायक दल के नेता बालासाहेब थोराट और पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण तक, कांग्रेस से उम्मीदवारी के दावेदारों की लंबी सूची है। विदर्भ क्षेत्र में पटोले को मुख्यमंत्री के तौर पर पेश करने वाले बैनर आम हो गए हैं। पार्टी के एक नेता का मानना है कि मुख्यमंत्री पद कांग्रेस को मिलना चाहिए।

हालांकि, हरियाणा विधानसभा चुनावों में अप्रत्याशित झटके ने कांग्रेस की हवा निकाल दी है और उसके सहयोगी दलों ने सीट बंटवारे और सीएम पद को लेकर फिर से अपनी ताकत दिखानी शुरू कर दी है, साथ ही सेना (यूबीटी) ने अपनी मांग दोहराई है कि गठबंधन एक उम्मीदवार घोषित करे।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

आग को दबाना उतना ही ठीक है
कि आग पर चढ़ा दी जाए इतनी सी
राख
थोड़ासा खंखोर दें और सुबह
जल जाएँ चूल्हा
यह सबसे बड़ी भूल होगी कि
राख पर खड़ी कर दें राख की
परत-दर-परत
कि राख पत्थर हो जाए और राख पर
खड़ा हो जाए राख का
सख्त पहाड़
राख में राख ही नहीं होती
राख की कोख में दबी होती है आग
राख की परिभाषा इतनी भर नहीं
कि आग बुझ गई और हो गये राख
राख की बिरादरी में भी शामिल है
ज्वालामुखी।

– वसंत सकरगाए

फ्लाइट्स में बम की धमकी पर एक्शन लेगी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिविल एविएशन मिनिस्टर के राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा कि फ्लाइट्स में बम की धमकियों से निपटने के लिए कानूनी कार्रवाई करने की योजना बनाई जा रही है। धमकी देने वालों को नो-फ्लाई लिस्ट में डाला जाएगा। एविएशन सिक्योरिटी नियमों के साथ ही सिविल एविएशन एक्ट, 1982 में संशोधन की भी योजना बनाई जा रही है।

अब तक 100 धमकियां मिल चुकीं

वहीं, ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के महानिदेशक जुल्फिकार हसन और सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स के महानिदेशक राजविंदर सिंह भट्टी ने भी सोमवार को केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन से मुलाकात की। करीब आधे घंटे चली, लेकिन बैठक का ब्योरा अभी सामने नहीं आया है।

गृह मंत्रालय ने फ्लाइट्स में बम की धमकियों के संबंध में सिविल एविएशन मिनिस्ट्री और बीसीएएस से डिटेल रिपोर्ट मांगी थी। सीआईएसएफ,एनआईए और आईबी को भी रिपोर्ट देने को कहा गया था। 20 अक्टूबर को भारतीय एयरलाइंस की 25 फ्लाइट्स में बम की धमकियां मिली थीं।

इस हफ्ते करीब 100 फ्लाइट्स में बम होने की धमकियां मिली हैं। इसके बाद केंद्र सरकार ने सिविल एविएशन के महानिदेशक विक्रम देव दत्त को पद से हटा दिया था।

आतंकी पन्नू ने दी एयर इंडिया में विस्फोट की धमकी

अमृतसर(एजेंसी)। अमेरिका में रह रहे सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एयर इंडिया में बम विस्फोट की धमकी दी है। आतंकी पन्नू ने वीडियो जारी कर 1984 के सिख दंगों का बदला लेने की बात कही। उसने लोगों को एयर इंडिया में सफर न करने की सलाह दी।

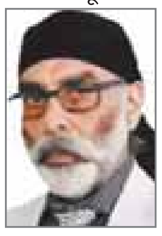

पन्नू ने कहा- नवंबर में 1984 में हुए सिख दंगों की 40वीं बरसी है। 1984 में 13 हजार से अधिक सिख, महिलाओं और बच्चों को मार दिया गया। आज भी दिल्ली में विधवा कॉलोनी है। ये पूरी घटना भारतीय हुकूमत द्वारा की गई थी।

विदेशों में यात्रा करने वाले लोग 1 से लेकर 19 नवंबर तक एयर इंडिया का बायकॉट करें। पन्नू ने पायलट्स को धमकाया कि बोर्ड पर संदिग्ध बम हो सकता है।

सपा सांसद राम गोपाल यादव ने सीजेआई को अपशब्द कहे

कहा- अभी भी उन्हें मंदिर और बाबरी मस्जिद दिख रहा है

मैनपुर (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के महासचिव राम गोपाल यादव ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा- जब मुर्दों को जिंदा करें हो, तो वो भूत बन जाते हैं। कहां हैं वो? अब भी मंदिर और बाबरी मस्जिद दिख रहा है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने रविवार (20 अक्टूबर 2024) को कहा था कि उन्होंने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के समाधान के लिए भगवान से प्रार्थना की थी। सीजेआई ने कहा कि अगर आस्था हो तो भगवान कोई भी रास्ता निकाल देते हैं।

दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की किरण बना, आशा का संचार कर रहा : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में वैश्विक स्तर पर भारत के उदय के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 21वीं सदी 'भारत की सदी' क्यों है, देश किस तरह तेजी से आगे बढ़ रहा है और दुनिया भर के निवेशक भारत के सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने को लेकर कैसे उत्साहित हैं।

एनडीटीवी वर्ल्ड को लॉन्च करते हुए पीएम मोदी ने भारत के विकास की गति और गति के बारे में बात की। प्रधानमंत्री ने कहा भारत की तेज वृद्धि - दुनिया में सबसे तेज - और देश में बुनियादी ढांचे के निर्माण को देखते हुए, कई वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने भारत के विकास के पूर्वानुमान को अपग्रेड किया है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया भर के निवेशक भारत के विकास पर उत्सुकता से नज़र रख रहे हैं और सबसे तेजी से बढ़ते बाजार में निवेश करने को लेकर उत्साहित हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को एक उभरती हुई शक्ति करार देते हुए सोमवार को कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है, वह उम्मीद की एक किरण बना है तथा आशा का संचार कर रहा है। समाचार चैनल एनडीटीवी की ओर से आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि भारत हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है और इसका पैमाना अप्रत्याशित है।

उन्होंने कहा, आज जब चर्चा का केंद्र चिंता ही है, तब भारत में चर्चा का विषय है भारत की शताब्दी। दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की एक किरण बना है। जब दुनिया चिंता में डूबी है, तब भारत आशा का संचार कर रहा है। मोदी ने कहा कि हालांकि भारत की अपनी चिंताएं हैं, लेकिन इसमें सकारात्मकता की भावना है जो सभी भारत के लिए महसूस भी करते हैं।

सिंहस्थ 2028 से पहले मुख्यमंत्री मोहन यादव का ऐलान

हरिद्वार की तरह उज्जैन में संतों के बनेंगे स्थाई आश्रम

● सिंहस्थ 2028 की तैयारी में जुटी एमपी सरकार

उज्जैन (नप्र)। एमपी सरकार उज्जैन में सिंहस्थ की तैयारी में जुट गई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उज्जैन दौरे के दौरान सिंहस्थ मेला कार्यालय में पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि उज्जैन भी धार्मिक नगरी है, इसलिए इसे हरिद्वार की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। साधु, संत, महंत और अखाड़ों के लिए स्थाई आश्रम बनाए जाएंगे। यह सभी कार्य उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा किए जाएंगे।

अब होंगे स्थाई निर्माण- सीएम मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ के दौरान अस्थाई टेंट व सड़क मार्ग बनाए जाते हैं। प्राकृतिक आपदा के चलते दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसलिए अब इन निर्माणों को स्थाई किया जाएगा। सिंहस्थ क्षेत्र में बिजली पानी सड़क की स्थाई व्यवस्था होगी। स्थाई ब्रिज फोरलेन और सिक्स लेन मार्ग भी बनाए जाएंगे। सिंहस्थ भूमि पर अब स्थाई मंदिर, मठ, वृद्धा आश्रम और अखाड़े बनाने की अनुमति दी जाएगी।

नियमों में किया जाएगा बदलाव- मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ भूमि को लेकर पूर्व के नियमों में संशोधन किया जाएगा। स्थाई निर्माण के लिए नए नियम बनाए जाएंगे। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा की शहर की संरचना पूरी तरह से धार्मिक रहे।

स्थाई एयरपोर्ट भी बनेगा

उन्होंने कहा कि उज्जैन से इंदौर के लिए मेट्रो ट्रेन की सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी गई है। उज्जैन से निकलने वाले सभी मार्ग फोरलेन किए जाएंगे। वर्तमान एयरस्ट्रिप का भी उन्नयन कर टेक्निकल रूप से एयरपोर्ट बनाया जाएगा। ताकि 12 महीने हवाई यातायात सुविधा भी उज्जैन को मिल सके।

आश्रमों के लिए ऐसे मिलेगी अनुमति

इसके साथ ही सीएम ने कहा कि साधु-संतों को आश्रम निर्माण के लिए अनुमति इस प्रकार दी जाएगी कि 5 बीघा के एक बीघा भूखंड पर ही भवन का निर्माण किया जा सकेगा। शेष 4 बीघा भूखंड खुला रहेगा, जिसमें पार्किंग आदि व्यवस्थाओं के लिए पर्याप्त खुला स्थान रहे। यह अनुमति केवल साधु-संतों, महंत, अखाड़ा प्रमुखों, महामंडलेश्वर को ही दी जाएगी।

उज्जैन-जावरा ग्रीन फील्ड

मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन -इंदौर सिक्स लेन कार्य की भी टेंडर प्रक्रिया हो गई है। वहीं, उज्जैन- जावरा ग्रीन फील्ड फोरलेन मार्ग का शीघ्र भूमिपूजन किया जाएगा। इसी प्रकार बृहद योजना के तहत इंदौर उज्जैन धार, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर आदि को विकसित किया जाएगा।

भारत-चीन लद्दाख में पेट्रोलिंग के नए सिस्टम पर सहमत

● एलएसी से सैनिक पीछे हटा सकते हैं दोनों देश ● गलवान जैसा टकराव को टाला जा सकेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिक्स समिट में शिरकत से पहले भारत और चीन के बीच बड़ा समझौता हुआ है। दोनों देश लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर पेट्रोलिंग के लिए सहमत हो गए हैं। इससे पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों के बीच सीमा विवाद सुलझ सकता है और टकराव में भी कमी आ सकती है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को इस समझौते की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले कई हफ्तों से भारत और चीन के अधिकारी इस मुद्दे पर बातचीत कर रहे थे। सेना के अफसर भी बातचीत में शामिल थे।

पेट्रोलिंग के नए सिस्टम पर सहमति के बाद दोनों देश सेनाएं पीछे हटा सकते हैं। देपसांग प्लेन डेमचोक में सैनिकों को पेट्रोलिंग पॉइंट्स पर जाने की इजाजत अभी नहीं है। यहां सेनाएं अभी मौजूद हैं। पेट्रोलिंग का नया सिस्टम इन्हीं पॉइंट्स से संबंधित है। इससे 2020 के गलवान जैसे टकराव को टाला जा सकता है।

2020 में गलवान में हुआ था चीन-भारत की सेना में टकराव

लद्दाख की गलवान घाटी में 15 जून 2020 को भारत-चीन के सैनिकों के बीच खूनी झड़प हुई थी। इसी के बाद दोनों देशों के बीच विवाद गहराया।

आर्मी चीफ ने कहा था- हमें लड़ना भी है, सहयोग भी करना है- 1 अक्टूबर को भारत के आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी ने कहा था कि चीन के साथ भारत के हालात स्थिर हैं, लेकिन ये सामान्य नहीं हैं, काफी संवेदनशील हैं। चीन के साथ हमें लड़ना भी है, सहयोग करना है, साथ रहना है, सामना करना है और चुनौती भी देनी है। उन्होंने कहा था कि भारत और चीन के बीच अप्रैल से अब तक कमांडर लेवल की 17 बैठकें हुई हैं। इन बैठकों में हमने कई मुद्दों पर चर्चा की है।

जिनेवा में विदेश मंत्री ने कहा था- चीन से विवाद का 75 प्रतिशत हल निकला- जयशंकर ने कहा था कि समस्या का समाधान ढूंढने के लिए दोनों पक्षों में बातचीत चल रही है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 36.3 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार, 22 अक्टूबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

सशक्त-स्वस्थ मध्यप्रदेश के लिये स्वास्थ्य सेवाओं और अधो-संरचनाओं के कार्यों का तेज गति से क्रियान्वयन आवश्यक : शुक्ल

मुख्य सचिव श्री जैन से अंतर्विभागीय समन्वय विषयों पर की चर्चा

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि सहज और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का प्रदाय शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विज़न अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सशक्त-आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश को मूर्त रूप देने, स्वस्थ मध्यप्रदेश के लिए स्वास्थ्य सेवाओं और अधोसंरचनाओं को निरंतर सुदृढ़ करने के प्रयास किये जा रहे हैं। इन कार्यों के तेज गति से क्रियान्वयन के लिए विभागीय समन्वय आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन से विभिन्न अंतर्विभागीय समन्वय विषयों पर गहन चर्चा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के प्रमुख विषयों पर तेजी से कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यक कार्यवाही के लिये संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्देशित करें, जिससे कार्यों में तेजी लाई जा सके। प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी और प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव उपस्थित थे।

मेडिकल कॉलेजों में वेतन संरक्षण (पे-प्रोटेक्शन) के प्रस्ताव पर किया विमर्श– उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने 454 चिकित्सकीय संस्थानों में पदों की स्वीकृति के साथ ही, मेडिकल कॉलेजों में वेतन संरक्षण (पे-प्रोटेक्शन) के प्रस्ताव को प्राथमिकता देने के लिए कार्यवाही और समन्वय करने के निर्देश दिये। पैरामेडिकल कौंसिल से संबंधित अधिनियम को पुनः पूर्ववत् करने के मुद्दे पर भी विचार-विमर्श किया गया। सामुदायिक केंद्रों और सिविल अस्पतालों के संचालन को आउटसोर्स आधार पर अनुमति देने के प्रस्ताव पर चर्चा की गई, जिससे इसे शीघ्र ही अमल में लाया जाकर ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त किया जा सके।

सहायक प्राध्यापक (मेडिकल कॉलेज) के पदों पर भर्ती की आयु सीमा को 40 वर्ष से 50 वर्ष किये जाने पर दिया ज़ोर– उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सहायक प्राध्यापक (मेडिकल कॉलेज) के पदों पर भर्ती की आयु सीमा को 40 वर्ष से बढ़ाकर 50 वर्ष करने की आवश्यकता को महत्वपूर्ण बताते हुए आवश्यक प्रस्ताव पर विमर्श किया। नवीन जिलों में जिला अस्पतालों में पदों की स्वीकृति के मुद्दे पर विभागीय समन्वय के विषय पर चर्चा की गई। जबलपुर मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग भर्ती में विशेष छूट देने का प्रस्ताव बैठक के प्रमुख बिंदुओं में शामिल रहा। रीवा मेडिकल कॉलेज, सतना मेडिकल कॉलेज अस्पताल और इंदौर के एमवाय अस्पताल के उन्नयन और निर्माण के लिये परियोजना परीक्षण समिति से अनुमोदन प्राप्त करने के लिए संबंधित कार्यवाही तेज करने के लिए उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये।

स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन, स्वास्थ्य अधोसंरचनाओं के विकास के लिए बजट प्रावधान पर चर्चा

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट प्रावधान पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन, स्वास्थ्य अधोसंरचनाओं के विकास के लिये स्वीकृति के लिये प्रस्ताव लंबित हैं, जिसके समाधान के लिए विभागीय सूचकांक को बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। उप मुख्यमंत्री ने रीवा जिले के ग्राम हिनौती में गौ-अभ्यारण्य की स्वीकृति के लिए पशुपालन विभाग द्वारा तैयार प्रस्ताव पर स्क्रीनिंग कमेटी आवश्यक कार्यवाही के लिए भी कहा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की घोषणा के अनुक्रम में सांदीपनी संस्कृत विश्वविद्यालय उज्जैन के रीवा परिसर में आधारभूत संरचना विकास (भवन/पुल निर्माण) तथा आवश्यक भूमि अधिग्रहण के लिए उच्च शिक्षा विभाग से राशि प्रावधान करने की अनुशंसा की गई है। इस परियोजना का शीघ्र आमजन को लाभ मिल सके इसके लिये आवश्यक कार्यवाही करने के संबंध में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने चर्चा की।

संक्षिप्त समाचार

वाराणसी में टंकी काटते समय धमाका, जिंदा जली महिला

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में सोमवार दोपहर कबाड़ गोदाम में भीषण आग लग गई। तेज धमाके के साथ लगी आग में एक महिला जिंदा जल गई।

परिवार के अन्य लोग झुलस गए। हादसा गोदाम में सीएनजी की टंकी को गैस कटर से काटते समय हुआ। सीएनजी की टंकी में गैस भरी थी। तभी गोदाम मालिक ने कटर चलाना शुरू कर दिया। कटर की चिंगारी से गैस ने आग पकड़ ली। गोदाम आग का गोला बन गया। धमाके की आवाज 2 किमी तक सुनाई थी। फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। आग पर काबू पाया। एक घंटे की आग में गोदाम का सारा सामान भी जलकर राख हो गया। पुलिस ने अधजले शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

सीएम नीतीश ने डीजीपी के आगे जोड़े हाथ

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के डीजीपी आलोक राज के सामने हाथ जोड़ लिए। उन्होंने डीजीपी से हाथ जोड़ते हुए कहा कि जल्द नियुक्ति करा दीजिए। अगले साल चुनाव होना है, ऐसे में 6 महीने में पुलिस बहाली पूरी कर लीजिए।

पुलिस विभाग के कार्यक्रम में नीतीश कुमार खुले मंच से डीजीपी के सामने हाथ जोड़कर उनसे अपील करने लगे। डीजीपी की तरफ हाथ जोड़ते हुए सीएम ने कहा कि जल्दी से और भी नियुक्ति करा दीजिए, पुलिस में महिलाओं की संख्या 35 फीसदी करिए। सीएम सोमवार को बापू सभागार में नव नियुक्त दरोगा को नियुक्ति पत्र बांटने पहुंचे थे। जहां अपने भाषण के दौरान उन्होंने डीजीपी के आगे हाथ जोड़ लिए।

24 अक्टूबर को ओडिशा के तटों से टकराएगा साइक्लोन दाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंडमान सागर से उठा चक्रवाती तूफान दाना 23 अक्टूबर तक बंगाल की खाड़ी पहुंच जाएगा। 24 अक्टूबर को यह ओडिशा–पश्चिम बंगाल के तट से टकराएगा।

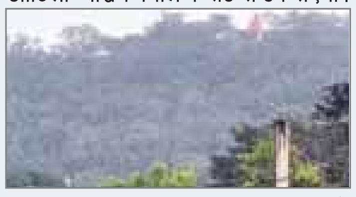

मौसम विभाग ने साइक्लोन के लैंडफॉल की जानकारी नहीं दी है। अनुमान है कि यह पुरी से टकरा सकता है। तूफान का दाना नाम सऊदी अरब ने दिया है। दाना का मतलब उदारता होता है।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में 4 नक्सली ढेर

गढ़चिरौली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की खबर है, जहां पुलिस ने चार नक्सलियों को मार गिराया। मीडिया सूत्रों ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से इसकी पुष्टि की है।

मणिपाल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में 3023 डिग्री वितरित

जयपुर। अकादमिक उपलब्धियों के शानदार जश्न में, मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर ने विश्वविद्यालय परिसर में अपने बहुप्रतीक्षित 11वें दीक्षांत समारोह की मेजबानी की। इस कार्यक्रम में 2023-2024 बैच के स्नातक वर्ग को सम्मानित किया गया। जिसमे स्नातक विद्यार्थियों सहित उनके अभिभावक एवं विशिष्ट अतिथि सम्मिलित हुए।

दीक्षांत समारोह की शुरुआत शैक्षणिक पद संचालन के साथ हुई, जिसमें एनईटीएफ के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) अनिल सहस्त्रबुद्धे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सतत विकास के पक्षधर और जलवायु नेता सुरेश प्रभु विशेष अतिथि के रूप में शिरकत किया। मणिपाल एजुकेशन एण्ड मेडिकल ग्रुप (एमईएमजी) के चेयरमैन डॉ. रंजन पई, मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर के चेयरपर्सन एस. वैथीस्वरन, मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर के अध्यक्ष प्रो. नीति निपुण शर्मा, प्रो-प्रेसिडेंट (नामित) प्रो. (डॉ.) करुणाकर कोटेगर, रजिस्ट्रार प्रो. नीतू भटनागर, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दसारी नागराजू, सभी संकायों के डीन और विभिन्न स्कूलों के निदेशक शैक्षणिक पद संचालन का हिस्सा थे। इसी तरह, दीक्षांत समारोह के दूसरे दिन एक्सिस बैंक के कार्यकारी निदेशक मुनीश शारदा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। एमयूजे के अध्यक्ष श्री एस वैथीस्वरन ने दीक्षांत समारोह की शुरुआत की घोषणा की। दीक्षांत समारोह में कई उल्लेखनीय क्षण देखने को मिले। स्नातकों को इंजीनियरिंग, वास्तुकला, प्रबंधन, विज्ञान, वाणिज्य, मानविकी, पत्रकारिता और कानून आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में कुल 3023 डिग्रियां प्रदान की गई। जिसमें 2609 स्नातक, 327 स्नातकोत्तर और 87 पीएचडी छात्र शामिल थे। इनके अलावा दो दिनों में विभिन्न विभागों के मेधावी छात्रों को 49 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इसके साथ ही, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल स्पर्धाओं में विश्वविद्यालय के खेल उपलब्धि हासिल करने वालों को विशेष मान्यता पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

दिल्ली में हुआ 'रंग संवाद' के नए अंक का लोकार्पण

भोपाल। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित सांस्कृतिक पत्रिका 'रंग संवाद' का नया अंक हाल ही नई दिल्ली में समारोहपूर्वक लोकार्पित हुआ। प्रख्यात कला आलोचक विनोद भारद्वाज, रवीन्द्र त्रिपाठी, वरिष्ठ चित्रकार अशोक भौमिक, संपादक विनय उपाध्याय तथा कथाकार कुणाल सिंह ने संयुक्त रूप से पत्रिका का लोकार्पण करते हुए कला लेखन के विभिन्न आयामों पर चर्चा की। टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र आरएनटीयू की इस अनूठी पत्रिका के नए संस्करण में नर्मदा प्रसाद उपाध्याय, वासुदेव मूर्ति, मंजरी सिन्हा, भानु भारती, आलोक चटर्जी, विभा रानी, महावीर वर्मा, यतीन्द्र मिश्र, शम्पा शाह, रीना सोपम, राजेश गनोदवाले, संदीप नाईक, निर्मला डोसी, गोपाल दुबे, विवेक मृदुल, दीपक पगारे, गरिमा संजय दुबे और जयनारायण प्रसाद के विचार और वार्ता लेख सांस्कृतिक रूचि, जिज्ञासा और नई कला दृष्टि का परिवेश रचते हैं। पत्रिका के प्रधान संपादक संतोष चौबे के अनुसार 'रंग संवाद' इस समय सांस्कृतिक हस्तक्षेप का प्रमुख मंच बन चुकी है। भारत सहित दुनिया के तीस से भी अधिक देशों में 'रंग संवाद' का प्रसार है। विषय वस्तु, संपादन, आकल्पन तथा मुद्रण की गुणवत्ता के चलते पिछले माह 'रंग संवाद' को फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स नई दिल्ली ने राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया है।

जयपुर से सामने आई करवा चौथ की खौफनाक तस्वीर!

- लेट पहुंचा पति तो पत्नी ट्रेन के आगे कूदी, फिर हसबैंड ने भी उठाया ये कदम

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में करवा चौथ के दिन दिल दहला देने वाली घटना घटी। यहां पति-पत्नी के बीच हुए झगड़े के बाद दोनों ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। यह घटना हरमाड़ा थाना क्षेत्र के नांगल सिरस गाँव की है। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार को करवा चौथ के दिन घनश्याम (38) नामक व्यक्ति अपने काम से देर से घर पहुंचा था। देर से आने की वजह से उसकी पत्नी मोनिका (35) नाराज हो गई। इसके बाद दोनों में कहासुनी हो गई। गुस्से में आकर मोनिका घर से बाहर चली गई और जयराम ब्रिज के पास रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के आगे कूद कर उसने जान दे दी। घटना के बाद जब पति धनश्याम मौके पर पहुंचा तो मोनिका का शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिला।

गांदरबल के गगनगीर इलाके में आतंकी हमला

- डॉक्टर समेत 6 मजदूरों की मौत, 3 बिहार के
- लश्कर के संगठन टीआरएफ ने ली जिम्मेदारी

रेकी के बाद टनल साइट पर की थी फायरिंग

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में रविवार देर रात हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। मीडिया सूत्रों ने सोमवार को बताया कि टीआरएफ चीफ शेख सज्जाद गुल इस हमले का मास्टरमाइंड था।

गांदरबल के गगनगीर इलाके में श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे की टनल कंस्ट्रक्शन साइट पर आतंकियों ने फायरिंग की। हमले में बड़गाम के डॉक्टर शहनवाज मीर और पंजाब-बिहार के 6 मजदूरों की जान चली गई।

हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा : अमित शाह

इस जघन्य और कायरतापूर्ण हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्हें हमारे सुरक्षाबलों की ओर से कठोरतम जवाब का सामना करना पड़ेगा। इस दुख की घड़ी में मैं मृतकों के परिवारों के साथ हूं।

हमला कायरतापूर्ण : राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर का हमला कायरतापूर्ण और अक्षम्य अपराध है। आतंकियों का यह दुस्साहस जम्मू-कश्मीर में निर्माण का क्रम और लोगों का विश्वास कभी नहीं तोड़ पाएगा। इस लड़ाई में पूरा देश एकजुट है।

मैं निहत्थे निर्दोष लोगों पर इस हमले की कड़ी निंदा करता हूं: सीएम ने गैर-स्थानीय मजदूरों पर कायरतापूर्ण हमला बहुत दुखद है। ये लोग इलाके में एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे। मैं निहत्थे निर्दोष लोगों पर इस हमले की कड़ी निंदा करता हूं।

योगी सरकार को सुप्रीम झटका

मदरसा छात्रों का सरकारी स्कूलों में दाखिले वाले आदेश पर रोक

लखनऊ (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के मदरसा छात्रों को लेकर बड़ा आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने 21 अक्टूबर सोमवार को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण

आयोग (एनसीपीसीआर) द्वारा जारी निर्देशों के अमल पर रोक लगा दी, जिसमें यूपी सहित कई राज्यों से गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के छात्रों को सरकारी स्कूलों में शिफ्ट करने का आग्रह किया गया था। आज यह मामला भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष आया, जिसमें जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल थे।

चंद्रबाबू बोले- लोग ज्यादा बच्चे पैदा करें

- जिनके 2 से ज्यादा बच्चे, भविष्य में वही चुनाव लड़ेंगे
- आंध्र में कई जिले ऐसे, जहां सिर्फ बुजुर्ग

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राज्य में लोगों की बढ़ती औसत उम्र चिंता का विषय है। परिवारों को कम से कम दो या उससे ज्यादा बच्चे पैदा करने चाहिए। आने वाले समय में जिनके दो या उससे ज्यादा बच्चे होंगे, वहीं स्थानीय निकाय चुनाव लड़ पाएंगे। राज्य सरकार इसके लिए जल्द ही कानून बनाएगी। नायडू ने आगे कहा कि आंध्र प्रदेश के कई जिले ऐसे हैं, जहां गांवों में सिर्फ बुजुर्ग ही बचे हैं। साउथ के राज्यों में फर्टिलिटी रेट लगातार गिरता जा रहा है। देश में औसत प्रजनन दर जहां 2.1 है, वहीं साउथ स्टेट्स में यह आंकड़ा गिरकर 1.6 तक पहुंच गया है। ष्टरू ने कहा, पहले वह पॉपुलेशन कंट्रोल की बात करते थे लेकिन अब स्थिति बदल गई है।

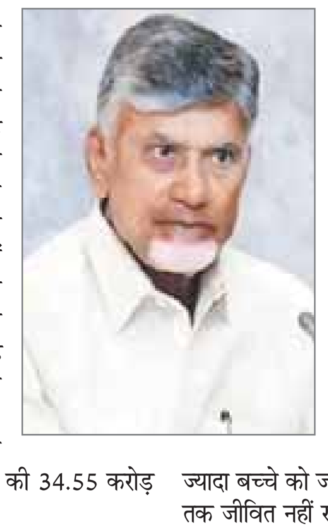

बूढ़ा हो रहा भारत, युवा आबादी घट रही– केंद्र की यूथ इन इंडिया-2022 रिपोर्ट के मुताबिक 2036 तक देश की 34.55 करोड़ आबादी ही युवा होगी, जो अभी 47 प्रतिशत से ज्यादा है।

स्टालिन बोले- लोग 16 बच्चे पैदा करने की कहावत पर लौट सकते हैं– तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि लोकसभा सीटों के परिसीमन से कई लोग 16 बच्चे पैदा करने की तमिल कहावत पर लौट सकते हैं। लेकिन जो भी हो, तमिल लोगों को अपने बच्चों के तमिल नाम ही रखना चाहिए। स्टालिन चेन्नई में 31 जोड़ों के शादी समारोह में पहुंचे थे। यहां ही उन्होंने बयान दिया।

स्टालिन ने ये भी कहा कि बीते समय में हमारे बड़े-बूढ़े नवदंपतियों को 16 प्रकार की संपत्ति अर्जित करने का आशीर्वाद देते थे, जिसमें शोहरत, शिक्षा, संपत्ति, वंशावली शामिल हैं। अब लोग संपन्नता के लिए छोटे परिवार में विश्वास करने लगे हैं।

क्या होता है फर्टिलिटी रेट– नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के मुताबिक, भारत में हर महिला औसतन दो या उससे ज्यादा बच्चे को जन्म देती है। हालांकि इनमें से कई बच्चे ऐसे हैं जो 18 साल तक जीवित नहीं रहते। वहीं कुछ महिलाएं बच्चे पैदा नहीं कर पातीं।

बढ़ते प्रदूषण के बीच दिल्ली-एनसीआर में लागू हुआ ग्रैप-2

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में सर्दियों के बढ़ने के साथ ही प्रदूषण भी खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। इस बीच दिल्ली में ग्रैप-2

की पाबंदियां लागू कर दी हैं। एक्यूआई लेवल 300 से ज्यादा होने पर सीएक्यूएम ने आदेश जारी किया। मंगलवार सुबह 8 बजे से ग्रैप-2 लागू होगा। इस आदेश के लागू होते ही दिल्ली-एनसीआर में डीजल जनरेटर पर रोक लगेगी।

क्या है जीआरएपी?

ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (जीआरएपी) दिल्ली–एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा बनाया गया एक योजना है। इसके अंतर्गत प्रदूषण के स्तर के अनुसार विभिन्न चरणों में पाबंदियां लगाई जाती हैं। जैसे–जैसे प्रदूषण बढ़ता है, वैसे–वैसे जीआरएपी के चरण भी बढ़ते हैं।

आमजन के प्रति पुलिस सजग, संवेदनशील और विनम्र रहे : राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल ने पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

- **शहीद परिजन से आत्मीय मुलाकात कर कहा - प्रदेश की जनता, सरकार, पुलिस और प्रशासन आपके साथ**

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पुलिस, सशक्त समाज का आधार होती है। पुलिस की सक्रियता और उसका व्यवहार आम आदमी को सुरक्षित महसूस कराता है। आमजन के प्रति पुलिस सजग, संवेदनशील और विनम्र रहे। राज्यपाल श्री पटेल पुलिस स्मृति दिवस पर भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शहीद स्मारक पर पुष्पाजंलि अर्पित कर शहीद पुलिस कर्मियों के परिजन से आत्मीय मुलाकात की। कार्यक्रम में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन भी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि पुलिस, समाज का अभिन्न हिस्सा है। पुलिस की सक्रिय भागीदारी के बिना विकास की सोच को फलीभूत करना संभव नहीं है। विकास के लिए समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे का वातावरण बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हम सब के लिए गर्व की बात है कि मध्यप्रदेश पुलिस की गणना देश के श्रेष्ठ बलों में की जाती है। प्रदेश पुलिस ने 'देशभक्ति-जनसेवा' के सूत्र वाक्य को सार्थक किया है। कर्तव्यनिष्ठा के उच्च प्रतिमान के साथ कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

बदलती परिस्थितियों में पुलिस स्वयं को निरंतर अपडेट रखे- राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि पुलिस की बड़ी जिम्मेदारी है कि कानून-व्यवस्था को सुनिश्चित करते हुए देश-प्रदेश की अखंडता, सामाजिक और सांस्कृतिक सद्भाव को बनाए रखें। जनता से समन्वय बनाए रखना भी पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बदलती परिस्थितियों के अनुरूप पुलिस स्वयं को निरंतर अपडेट रखे। राज्यपाल श्री पटेल ने एक ही दिन में सवा लाख पौधे रोपने, सभी जिलों में पुलिस बैंड और महिला थाना की स्थापना, पुलिस परिवारों के लिए 25 हजार मकान बनाने के लक्ष्य एवं 950 महिला ऊर्जा डेस्क की स्थापना जैसे कार्यों के लिए प्रदेश पुलिस की सराहना की।

राज्यपाल श्री पटेल को कार्यक्रम में पाल-बेयरर पार्टी द्वारा शहीद जवानों की सम्मान सूची सौंपी गई। पार्टी द्वारा परेड सलामी की समस्त कार्यवाही की गई। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना ने श्रद्धांजलि उद्बोधन दिया। उन्होंने 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के दुर्गम इलाकों में हुई भारतीय जवानों के शौर्य और शहादत को नमन् किया। साथ ही मध्यप्रदेश पुलिस के शहीद जवानों को भी श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। वरिष्ठ प्रशासनिक, पुलिस अधिकारियों और विशिष्टजनों ने शहीद स्मारक पर पुष्पाजंलि अर्पित की। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव श्री एस.एन. मिश्रा, एडीजी श्री शापू, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सेनानिवृत्त पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी और शहीद पुलिसकर्मियों के परिजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धर्मपत्नी के साथ उज्जैन में मनाया करवा चौथ पर्व

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धर्मपत्नी श्रीमती सीमा यादव के साथ रविवार को उज्जैन स्थित निज निवास पर करवा चौथ का पर्व मनाया।

करवा चौथ के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव की धर्मपत्नी श्रीमती सीमा यादव ने चंद्रोदय के बाद चंद्रमा को अर्घ्य देकर पूजा की और पति डॉ. यादव के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पत्नी श्रीमती सीमा को जल ग्रहण करवाकर व्रत खुलवाया। इसके पूर्व यादव दंपति ने विधि-विधान से करवा माता पूजा की। इस अवसर पर करवा माता की कथा भी हुई।

भोपाल में सबसे ज्यादा नॉइस पॉल्यूशन हमीदिया रोड पर

इतना तो इंडस्ट्रियल एरिया में भी नहीं; एमपीसीबी की 6 महीने की रिपोर्ट

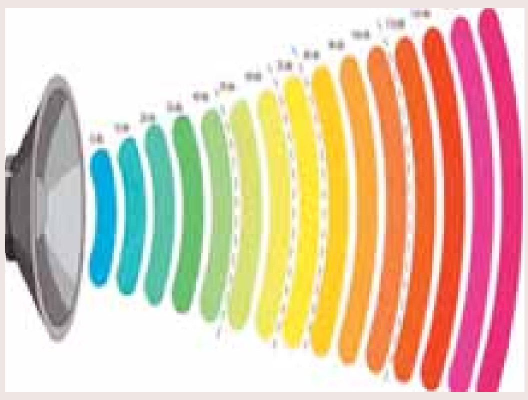

भोपाल (नप्र)। भोपाल की हमीदिया रोड पर शहर में सबसे ज्यादा नॉइस पॉल्यूशन है। मध्यप्रदेश पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 6 महीने (1 अप्रैल से 30 सितंबर) की रिपोर्ट जारी की है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक, हमीदिया रोड पर पिछले 6 महीने में अधिकतम अगस्त में एवरेज 68 डेसिबल तक नॉइस पॉल्यूशन दर्ज किया गया है। यह डेसिबल शहर के इंडस्ट्रियल एरिया से भी अधिक है। सबसे कम नॉइस पॉल्यूशन गोविंदपुरा और बैरागढ़ में दर्ज किया गया। यहां पर यह अगस्त में 50 से भी कम डेसिबल पर दर्ज हुआ।

इसलिए, हमीदिया रोड सबसे अधिक प्रदूषित

पर्यावरण के जानकारों की मानें तो हमीदिया रोड पर बहुत ज्यादा ट्रैफिक, रेलवे स्टेशन और कमर्शियल एक्टिविटी रहती है। इस रोड पर पीसीयू (पैसेंजर कार यूनिट) आम दिनों में 8 से 10 हजार हैं। मतलब पीक ऑवर में यहां से प्रति घंटा 8 से 10 हजार गाड़ियां गुजरती हैं। डीजे - बैंड भी लगातार गुजरते रहते हैं।

शहर में हाल ही में नॉइज की वजह से हुई बच्चे की मौत

भोपाल में डीजे की तेज आवाज से एक 13 साल के बच्चे की मौत का मामला सामने आ चुका है। घटना 14 अक्टूबर की शाम की है। समर बिल्लौरे (13) मां दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए जा रहे चल समारोह में डीजे पर डांस कर रहा था। परिवार का आरोप है कि जैसे ही डीजे का साउंड तेज हुआ, समर बेहोश हो गया। उसे नजदीकी अस्पताल लेकर गए। यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

'एजुकेशन वर्ल्ड' स्कूल रैंकिंग में मॉडल स्कूल लगातार तीसरी बार टॉप 10 में

श्रेष्ठ शिक्षण और अन्य गतिविधियों से मिला स्थान

भोपाल (नप्र)। 'एजुकेशन वर्ल्ड' स्कूल रैंकिंग में भोपाल का शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल टीटी नगर लगातार तीसरी बार टॉप 10 में जगह बनाकर हैट्रिक लगाने वाला मध्यप्रदेश का पहला एवं एकमात्र स्कूल बना है। मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल ने एजुकेशन वर्ल्ड की ओर से जारी सरकारी स्कूलों की रैंकिंग में लगातार तीसरे साल उत्कृष्ट जगह बनाई है। इस वर्ष एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा जारी रैंकिंग में मॉडल स्कूल को सातवां स्थान मिला है।

'एजुकेशन वर्ल्ड' शिक्षकों एवं अभिभावकों के लिए एक पोर्टल है, जो हर साल स्कूलों की रैंकिंग जारी करता है। यह रैंकिंग विद्यालय के पिछले परीक्षा परिणाम, सांस्कृतिक गतिविधियों, इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षकों की उपलब्धता एवं उनका आउटपुट, मेंटल-इमोशनल सेवाओं, खेल, अकादमिक गतिविधियों और अन्य आधारों पर की जाती है। इन सभी क्षेत्रों में उपलब्धि के आधार पर पूरे भारत से स्कूल चयनित कर उसके आधार पर निर्धारित मानकों से अंक दिए जाते हैं। स्कूल में उपलब्ध सुविधाओं के आधार पर मार्किंग की जाती है। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा संचालित मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल टीटी नगर, भोपाल लगातार 3 वर्ष से शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार करने में सफल रहा है।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने दी बधाई- स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने मॉडल स्कूल को श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर वर्ल्ड रैकिंग में स्थान मिलने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता में लगातार सुधार के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने मॉडल स्कूल की प्राचार्य श्रीमती रेखा शर्मा, समस्त स्टाफ, शिक्षक, माध्यमिक शिक्षा मंडल और विद्यार्थियों को भी बधाई दी है।

'एजुकेशन वर्ल्ड' द्वारा नई दिल्ली में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 17 से 19 अक्टूबर 2024 तक किया गया। समारोह में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रेखा शर्मा को शासकीय क्षेत्र में देश में सातवीं पायदान हासिल करने के लिए पुरस्कृत किया गया।

ग्रामीण चिकित्सकीय सेवाओं को सशक्त करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

सीएचसी के सुदृढ़ीकरण के दिये निर्देश

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का सुदृढ़ीकरण कर फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) के रूप में विकसित करने के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और अन्य चिकित्सा संस्थानों में पदोन्नति की प्रक्रिया की समीक्षा की और नियमों के अनुसार प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के गुणवत्तापूर्ण प्रदाय के लिए चिकित्सकीय मैनपॉवर का मनोबल और उत्साहवर्धन अत्यंत आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में विभिन्न विभागीय विषयों की समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए महत्वपूर्ण निर्देश दिये।

स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावी प्रदाय और प्रबंधन के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी का करें उपयोग

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावी प्रदाय और प्रबंधन के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने डिजिटल हस्तक्षेपों द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के कुशल प्रबंधन के लिए एचआरएमएस और एचएमआईएस के त्वरित क्रियान्वयन के लिये आवश्यक कार्यवाही करने को भी कहा। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त स्वास्थ्य श्री तरुण राठी उपस्थित थे।

ग्रामीण क्षेत्रों में रेडियोलॉजिस्ट सेवा प्रदाय की करें व्यवस्था

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आईपीएचएस मानकों के अनुसार भर्ती प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की और समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिये। प्रशासनिक औपचारिकताओं की पूर्ति में कमी से प्रक्रिया में व्यवधान नहीं आये यह सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने और मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर में सुधार के उद्देश्य से सोनोलॉजिस्ट की उपलब्धता आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में सोनोलॉजिस्ट (रेडियोग्राफर) की सेवा के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति प्रक्रिया के लिए तकनीकी समस्याओं का निदान कर प्रक्रिया पूर्ण की जाये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में वाइब्रेंट विंध्य

रीवा में बायर-सेलर मीट का 23 को आयोजन

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व और उनके सतत प्रयासों से मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को नई दिशा मिली है। चार संभागों में सफल आरआईसी के बाद 23 अक्टूबर 2024 को रीवा में 5वीं आरआईसी आयोजित की जा रही है, जिसमें 'वाइब्रेंट विंध्य' बायर-सेलर मीट होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विजन राज्य में संतुलित और समान आर्थिक विकास को मजबूती प्रदान करना है। आरआईसी के माध्यम से प्रदेश औद्योगिक हब के रूप में विकसित हो रहा है। रीवा में होने वाली आरआईसी इसमें महत्वपूर्ण योगदान देगी।

रीवा में बायर-सेलर मीट: व्यापारिक अवसरों को नई दिशा- रीवा में होने वाली बायर-सेलर मीट विंध्य क्षेत्र के औद्योगिक विकास को नई दिशा देगी। इस मीट में 2500 से अधिक उद्यमी शामिल होंगे। यह आयोजन न केवल व्यावसायिक साझेदारियों को बढ़ावा देने का मंच है, बल्कि विभिन्न राज्यों के उद्यमियों के बीच महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

व्यावसायिक साझेदारियों के लिए बैठकें- इस मीट का प्रमुख आकर्षण व्यावसायिक साझेदारियों के लिए बैठकें हैं। जहां विंध्य क्षेत्र के स्थानीय उद्यमी और बाहरी राज्यों के उद्यमी बिज़नेस अपॉर्चूनिटीज़ पर चर्चा कर करेंगे। इसमें विचारों का आदान-प्रदान होगा और व्यवसाय के नए रास्ते खुलेंगे।

राज्य स्तर पर भागीदारी- इस बायर-सेलर मीट में 10 से अधिक राज्य उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और हरियाणा से उद्यमी शामिल होंगे। यह विविधता न केवल मौके को और रोचक बनाएगी, बल्कि व्यावसायिक नेटवर्क को भी मजबूत करेगी।

स्थानीय उद्यमियों के लिए अवसर- स्थानीय उद्यमियों को बाहरी राज्यों के उद्यमियों से सीधे मिलकर व्यापारिक अवसरों पर चर्चा करने का मौका मिलेगा। यह मंच न केवल नई व्यापारिक संभावनाओं को उजागर करेगा, बल्कि क्षेत्रीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी सहायक होगा।

अपनी सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध विंध्य अब व्यावसायिक अवसरों का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। यह बायर-सेलर मीट स्थानीय उत्पादों और सेवाओं को नए बाजारों तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण मंच साबित होगी, जिससे व्यापारिक संभावनाएँ और मजबूत होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस पहल से क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी और नए निवेशकों को आकर्षित करने में सहायता मिलेगी।

मेहमान बघेलखंड के पारंपरिक व्यंजनों का लेंगे आनंद- रीवा में 23 अक्टूबर को होने जा रही कॉन्क्लेव की एक विशेषता होगी, जिसमें विंध्य क्षेत्र की समृद्ध और पारंपरिक खाद्य संस्कृति से प्रतिनिधियों को परिचय कराया जायेगा। बघेलखंड के विशिष्ट व्यंजनों का स्वाद लेकर मेहमान स्थानीय स्वाद का आनंद उठाएंगे, जो न केवल स्वादिष्ट, बल्कि अत्यधिक पौष्टिक भी होंगे।

बघेलखंड के प्रमुख व्यंजन

- बगजाः बेसन से बनी जलेबी जैसी सेवई, जिसे दही के मट्ठे में डुबोकर तैयार किया जाता है, स्वाद और पौष्टिकता से भरपूर।
- पनबुड़ाः चावल के आटे से बनी रोटी, जिसमें दाल का मिश्रण भरकर भाप में पकाया जाता है।
- रिचमच की सब्जीः विभिन्न दालों से बने पकौड़ों को दही की करी में पकाया जाता है, जो एक अनोखा और पौष्टिक व्यंजन है।
- रसाज की कढ़ीः हल्की और पाचक बेसन और दही से बनी कढ़ी, जो स्वाद और स्वास्थ्य का संतुलन बनाए रखने में मदद करती है।
- महेरीः चावल और मट्ठे से तैयार एक हल्का और पौष्टिक व्यंजन, जो विंध्य क्षेत्र का विशेष भोजन है।
- दरभरी पूरी और गुड़मः दरभरी पूरी के साथ गुड़ की पारंपरिक मिठाई, जो ठंड के मौसम में लाभकारी मानी जाती है।
- खुरचन रोलः मलाई से बने इस मीठे रोल में कैल्शियम और प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है, जो इसे विशेष बनाती है।

म.प्र.के दक्षिणी हिस्से में दो दिन बारिश का अलर्ट

जबलपुर–नर्मदापुरम संभाग में आज गिरेगा पानी ; पचमढ़ी में 14.8 डिग्री पहुंचा रात का तापमान

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के दक्षिणी हिस्से इंदौर, नर्मदापुरम और जबलपुर संभाग में अगले 2 दिन बारिश का दौर रहेगा। लो प्रेशर एरिया की एक्टिविटी से यहां मौसम बदला रहेगा। 25 अक्टूबर से रात में ठंड का असर बढ़ सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, अरब सागर की तरफ लो प्रेशर एरिया एक्टिव है। इसका असर मध्यप्रदेश के दक्षिणी जिलों में भी देखने को मिल रहा है। यहां पिछले 6 दिन से बारिश हो रही है और अगले 2 दिन भी मौसम ऐसा ही बना रहेगा।

उधर, प्रदेश के कई जिलों में रात का तापमान 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। पचमढ़ी में रविवार-सोमवार की रात का पारा 14.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यहां की रात प्रदेशभर में सबसे ठंडी रही।

छतरपुर जिले के नौगांव की रात दूसरी सबसे ठंडी रही। यहां पारा 17.6 डिग्री रहा। रायसेन में 19.8 डिग्री, छिंदवाड़ा में 18.3 डिग्री, खजुराहो में 19.2 डिग्री, मंडला में 18.5 डिग्री, नरसिंहपुर में 19.4 डिग्री, रीवा-सागर में 18.6 डिग्री, टीकमगढ़ में 19 डिग्री और उमरिया में रात का तापमान 19.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 20 डिग्री सेल्सियस, इंदौर में 20.7 डिग्री, ग्वालियर में 21.1 डिग्री, उज्जैन में 21.8 डिग्री और जबलपुर में रात का तापमान 18.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भोपाल सिटी बस के ड्राइवर-कंडक्टर से मारपीट का वीडियो आया

बस में घुसते ही लात–घूंसों से पीटने लगा बदमाश ; 38 दिन में तीसरी घटनाएं

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर एक बदमाश ने सिटी बस के ड्राइवर और कंडक्टर को लात-घूंसों से पीट दिया। बदमाश ने बस में घुसते ही मारपीट शुरू कर दी। इससे अंदर बैठी सवारियां दहशत में आ गईं और उतरकर चली गईं। भोपाल में 38 दिन में यह तीसरी घटना है। जिसमें सिटी में मारपीट की गई है।

इस मामले में एमपी नगर थाना पुलिस ने एक ऑटो चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। सवारी बैठाने की बात पर युवक ने मारपीट की। मामला रविवार शाम का है। बस में लगे कैमरों में यह घटना कैद हो गया।

ऑटो चालक बोला- सवारियां बैठाते हो और मारपीट शुरू कर दी- कंडक्टर शुभम मेहरा निवासी मछली मार्केट बैरागढ़ की रिपोर्ट पर एमपी नगर पुलिस ने ऑटो चालक पर केस दर्ज किया है। शुभम ने बताया, वह सिटी बस का कंडक्टर है। बस चिरायु से आकृति ईको सिटी सलैया तक चलती है। रविवार शाम को बस बोर्ड ऑफिस चौराहा स्थित स्टाप पर आकर रुकी। तभी सामने खड़ा एक ऑटो चालक विशाल आया। गालियां देते हुए उसने मुझे और ड्राइवर को लात-घुसे से पीटना शुरू कर दी। इससे दोनों को चोट आई हैं।

सवारियां उतरकर चली गई

कंडक्टर शुभम ने बताया, ऑटो चालक विशाल नशे में था, वो गालियां दे रहा था। मारपीट करने से सवारियां दहशत में आ गई और उतरकर चली गई।

12 दिन पहले भी यहीं मारपीट की थी

बोर्ड ऑफिस चौराहे पर खड़ी सिटी बस के कंडक्टर को एक युवक ने 12 दिन पहले छुरी मार दी। इससे वह घायल हो गया। कंडक्टर का कहना है कि युवक अवैध वसूली करने के लिए बस में घुसा था। मना किया तो गाली-गलौज करके छुरी मार दी। इस घटना से बस में बैठी सवारियां दहशत में आ गईं। कई तो बस से उतरकर चली गई थी। इस घटना को लेकर निगम नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी बसों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा चुकी हैं।

संपादकीय

कश्मीर : फिर सिर उठाता आतंकवाद

कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा गांदरबल के पास एक निर्माणाधीन सुरंग पर काम करने वाले 7 लोगों की हत्या आतंकियों की बौखलाहट का ताजा सबूत है। साथ ही अमन की ओर लौट रही कश्मीर घाटी में हिंसा का नया दौर शुरू होने का रेड सिग्नल भी है। चूंकि यह बड़ी आंतकी घटना राज्य के नए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के चुनाव क्षेत्र में हुई है, इसका अर्थ पाक समर्थिक आतंकियों ने सीएम को सलामी दे दी है। यह हमला इस बात का भी खतरनाक संकेत है कि जम्मू कश्मीर में टारगेट किलिंग और गैर कश्मीरियों की हत्याएं और बढ़ सकती हैं। इस पूरे देश को हिला देने वाली घटना का सकारात्मक पक्ष यही है कि कश्मीर में आंतकवाद फिर से फैलाने की कोशिश की सभी राजनीतिक दलों ने एकमत से निंदा की है। नेकां नेता फारूक अब्दुल्ला ने साफ कहा कि कश्मीर कभी पाकिस्तान नहीं बन सकता। यह वही फारूक अब्दुल्ला हैं, जो राज्य में विस चुनाव के पहले पाकिस्तान से बातचीत की वकालत कर रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोस में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी इस घटना की कड़ी निंदा की है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमलावर आतंकवदियों को छोड़ा नहीं जाएगा। टनल निर्माण का काम कर रहे, यह सभी कर्मचारी यूपी के एको कंपनी के थे, जो काम के दौरान लंच कर रहे थे। उन पर उस सुनसान इलाके में कोई हमला कर सकता है, यह उन्होंने कभी सोचा भी नहीं होगा। तभी अचानक कुछ आतंकी आए और उन्होंने निहत्थे लोगों कर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जिनमे एक डॉक्टर, एक आर्किटेक्ट और 5 मजदूर थे। इनमें भी तीन गैर कश्मीरी थे। इस हत्याकांड की जिम्मेदारी पाकिस्तान में बैठे लश्करे तैयबा ने ली है।

कश्मीर आतंकी हमला- लश्कर के ही एक संगठन द रेजिस्टेंस फोर्स (टीआरएफ) ने ली है। शेख सज्जाद गुल टीआरएफ का मास्टर मांइड बताया जाता है। आरंभिक जांच में सामने आया है कि यह संगठन श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे की टनल कंस्ट्रक्शन साइट की 1 महीने से रेकी करा रहा था। इसमें शक नहीं कि उसे तमाम जानकारी कोई स्थानीय स्त्रोत दे रहा था। जांच एजेंसियां इस बात का पता करने की कोशिश कर रही हैं कि इस हमले के पीछे स्थानीय लोगों की कितनी भागीदारी थी। इसके पहले टीआरएफ कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाता आया है। अब उसने रणनीति बदलते हुए तमाम गैर कश्मीरियों को भी खोजकर मारना शुरू कर दिया है। यह बेहद गंभीर चिंता का विषय है। यह आंतकी घटना इस बात का भी संकेत है कि आंतकी संगठन कश्मीर घाटी में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को रोकना चाहते हैं। भविष्य में वो ऐसी अन्य साइट्स पर हमले कर सकते हैं, जिससे निर्माण कार्य करने वालों में दहशत हो और वो काम बंद कर दें। लेकिन हमे यह भी याद रखना होगा कि कश्मीर घाटी में हालात अब 90 के दशक वाले नहीं है। आम कश्मीरी आतंकियों के झांसे में आने के बजाए अमन के रास्ते पर चलना चाहता है। कश्मीर में हाल में हुए विधानसभा चुनावों में लोगों का उत्साह से भाग लेना यही सिद्ध करता है। कश्मीरी अब भारत का हिस्सा बनकर ही रहना चाहते हैं। यही बात हमारे पड़ोसी पाकिस्तान को अखर रही है। इन दिनों वह दोहरी नीति कर काम कर रहा है। एक तरफ वह भारत से रिश्ते सुधारने और द्विपक्षीय बातचीत के लिए भूमिका बना रहा है तो दूसरी तरफ जम्मू कश्मीर में आंतकवाद को हवा दे रहा है। ये दोनो साथ नहीं चल सकते। गांदरबल में जो हुआ है, उसकी पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। आतंक को सख्ती से कुचलना ही होगा।

नजरिया

आरके सिन्हा

लेखक पूर्व सांसद हैं।

विवेकानंद की प्रेरणा को आगे बढ़ायेंगे नोएल टाटा

रतन टाटा के निधन के एक दिन बाद ही उनके सौतेले छोटे भाई नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट का नया चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। टाटा ट्रस्ट के माध्यम से ही टाटा समूह परोपकारी कामों को करता है। पूरे देश की आशा है कि 76 वर्षीय नोएल टाटा अपने अग्रज के नक्शे कदमों पर चलते रहेंगे। वे नवल टाटा, जो रतन के पिता भी थे, और सिमोन टाटा के पुत्र हैं। वे टाटा ट्रस्ट सहित कई टाटा कंपनियों के बोर्ड में हैं। वह अब वे टाटा समूह के धर्मार्थ और लोक कल्याणकारी कार्यों का नेतृत्व करेंगे। वह टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड, वोल्टास और टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन के चेयरमैन और टाटा स्टील और टाइटन कंपनी लिमिटेड के उपाध्यक्ष हैं। उनकी छवि रतन की तरह ही धीर-गंभीर है। वह कोई बहुत खबरों में रहना पसंद नहीं करते। वह एक कर्मयोगी की तरह काम में लगे रहना पसंद करते हैं। रतन टाटा भी तो सुर्खियों से दूर ही रहना पसंद करते थे और एक शर्मीले अकेले व्यक्ति की सार्वजनिक छवि पेश करते थे।

रतन की तरह नोएल को भी अपने पिता नवल टाटा से बिजनेस की बारीकियों को जानने का मौका मिला। नवल टाटा भारतीय हॉकी संघ के अध्यक्ष भी रहे। नवल टाटा ने अपने एक निकट संबंधी सुनी टाटा से शादी की, लेकिन जब रतन और उनके छोटे भाई, जिमी, अभी भी बहुत छोटे थे, तब वे अलग हो गए। नोएल की मां सिमोन हैं। वह रतन टाटा की अंत्येष्टि में मौजूद थीं। उन्होंने सौंदर्य प्रसाधन की कंपनी लैक्मे को स्थापित किया था। सिमोन टाटा मूल रूप से स्विट्जरलैंड से हैं। वह 1953 में जब भारत आई तो यहां उनकी मुलाकात नवल एच. टाटा से हुई। उसके बाद दोनों शादी की। उन्होंने रतन टाटा और नोएल का पालन-पोषण किया।

बहरहाल, नोएल टाटा के ऊपर एक बड़ी जिम्मेदारी है कि वह रतन टाटा की विरासत को आगे लेकर जाएं। रतन टाटा ने टाटा ग्रुप को दुनिया के बड़े कोरपोरेट हाउस में तब्दील कर दिया था। रतन टाटा अपने ग्रुप के 1991 से 2012 तक अध्यक्ष रहे। इस दौरान टाटा ग्रुप के मुनाफे में 50 गुना वृद्धि हुई, जिसमें अधिकांश राजस्व विदेशों में जगुआर और लैंड रोवर वाहनों और टेटली चाय जैसे पहचाने जाने वाले टाटा उत्पादों की बिक्री से आया। रतन टाटा के नेतृत्व में उनके समूह का भारत में प्रभाव पहले से कहीं अधिक ही हुआ।

दरअसल रतन टाटा उन मूल्यों को प्रतिबिंबित करते थे जिनमें व्यावसायिकता, उद्यमशीलता और सभी हितधारकों के हितों को आगे बढ़ाने को लेकर एक प्रतिबद्धता का मिला जुला भाव होता है। उनके नेतृत्व में, टाटा ग्रुप ने कई चुनौतियों का सामना किया और लाभदायक विकास पर अधिक ध्यान देने

के साथ हर बार मजबूत बनकर उभरी। बेशक, वह भारत के कॉरपोरेट जगत के सबसे सफल और सम्मानित नाम रहे।

रतन टाटा ने वक्त रहते ही टाटा ग्रुप में अपने संभावित उत्तराधिकारियों को तैयार कर शुरू दिया था। यह तो सबको पता है कि हरेक व्यक्ति के सक्रिय करियर की आखिरकार एक उम्र है। उसके बाद तो उसे अपने पद को छोड़ना ही है, खुशी-खुशी छोड़े या मजबूरी में छोड़ना पड़े, इसलिए बेहतर होगा कि किसी कंपनी का प्रमोटर, चेयरमेन या किसी संस्थान का जिम्मेदार पद पर आसीन शख्स अपना एक या एक से अधिक उत्तराधिकारी तैयार कर ले। बेहतर उत्तराधिकारी मिलने से किसी कंपनी या संस्थान की ग्रोथ प्रभावित नहीं होती। सत्ता का हस्तांतरण बिना किसी संकट या व्यवधान के हो जाता है। आप कंपनी को मेंटोर के रूप में शिखर या कहें कि चेयरमेन के पद से हटने के बाद भी सलाह तो दे ही सकते हैं।

एक बात समझनी होगी कि किसी कंपनी या उद्योग समूह की सफलता का माप केवल उसके वित्तीय प्रदर्शन से नहीं होता है। कंपनी का चरित्र, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व भी उसकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कंपनी के प्रबंधन को ग्राहकों, कर्मचारियों, या समाज के साथ ईमानदारी बरतनी चाहिए। रतन टाटा की सरपरस्ती में टाटा समूह ने निर्णय लेने की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया। रतन टाटा के लिए अपने ग्राहकों को संतुष्ट करना पहली प्राथमिकता रही। उनके चलते उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता और ग्राहक सेवा में उच्च मानक रखे गए। वह अपने ग्राहकों के साथ मजबूत और स्थायी संबंध बनाने में यकीन करते थे। वह ग्राहकों को सुनते और उनकी जरूरतों को समझते थे।

रतन टाटा ने अपने सामाजिक दायित्वों को हमेशा समझा। इसीलिए टाटा समूह हर साल बहुत बड़ी रकम खर्च करता है। टाटा समूह सिर्फ एक कॉर्पोरेशन नहीं है, बल्कि एक ऐसा संगठन है जिसके डीएनए में 'समाज सेवा' है। जमशेदजी टाटा की दूरदृष्टि से स्थापित इस समूह ने शुरू से ही समाज सेवा को अपने कार्यों का अभिन्न अंग बनाया है। यह अपने धर्मार्थ कार्यों के माध्यम से भारत में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डालता है, जो देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

जमशेदजी को यह प्रेरणा स्वामी विवेकानंद जी से ही प्राप्त हुई थी। शिकागो के सर्व धर्म सम्मेलन में जाने के पूर्व जब वे दक्षिण भारत का भ्रमण कर रहे थे तो उन्हें यह बात खली कि दक्षिण भारत में विज्ञान की उच्चतर शिक्षा प्रदान करने वाला कोई संस्थान नहीं है। तब उन्होंने विचार किया कि इस काम में टाटा स्टील के संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा उपयुक्त व्यक्ति होंगें और उन्होंने शिकागो जाने के पूर्व उन्हें एक पत्र लिखा जो 'माई डियर जेआरडी' के नाम से प्रसिद्ध है। स्वामीजी ने टाटा को लिखा कि 'आप बिहार के जमशेदपुर से अच्छा पैसा कमा रहे हो । मेरी शुभकामना है कि और ज़्यादा धन अर्जित करो और ज़्यादा लोगों को रोज़गार दो। लेकिन, विज्ञान की उच्चतर शिक्षा से वंचित दक्षिण भारत की भी थोड़ी चिंता करो और दक्षिण भारत में कहीं भी विज्ञान की ऊँची पढाई और रिसर्च का कोई बढ़िया संस्थान स्थापित करो । मैं जानता हूँ कि तुम यह कर सकते हो और विश्वास ही कि तुम ऐसा ही करोगे।' स्वामी विवेकानंद जी की इस प्रेरक चिट्ठी पढ़ने के बाद जमशेदजी इतने प्रेरित हुए कि उन्होंने बैंगलुरु में तत्काल ही एक विज्ञान का बढ़िया संस्थान शुरू कर दिया जो आज 'इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंस' के नाम से विश्व विख्यात हैं और जो प्रतिभाशाली बच्चे वैज्ञानिक बनाना चाहते है, या रिसर्च या अध्यापन कार्य में अपना करियर बनाना चाहते हैं वे किसी भी आईआईटी में जाने से ज़्यादा आईआईएस में जाना ज़्यादा पसंद करते हैं।

अब नोएल टाटा को टाटा समूह के धर्मार्थ कार्यो पर फोकस देना होगा। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक विकास, आपदा राहत और कला-संस्कृति जैसे क्षेत्रों में काम करना होगा। टाटा समूह समाज सेवा में एक दीर्घकालीन प्रतिबद्धता रखता है। वह कई दशकों से इन कार्यों में लगातार जुड़ा हुआ है और यह प्रतिबद्धता आगे भी जारी रहनी चाहिए। सारे देश को पता है कि टाटा समूह समाज सेवा के माध्यम से सतत विकास में विश्वास रखता है। इसके कार्य न सिर्फ वर्तमान पीढ़ी के लिए फायदेमंद हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी उपयोगी साबित होंगे।

टाटा समूह के धर्मार्थ कार्य देश के विकास में एक महत्वपूर्ण योगदान हैं। अब देश को नोएल टाटा से यह आशा है कि वह अपने समाज सेवा से जुड़े कार्यों को जारी रखेगा।

स्कूल में छात्र की हत्या

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तम्भकार हैं।

नफरत का खतरनाक खेल

बिहार के मुजफ्फरपुर में हाई स्कूल के एक क्लासरूम में हुई एक गंभीर घटना ने एक बार फिर से शिक्षा के मंदिर को शर्मसार कर दिया है। यहां दो छात्रों के बीच हुई मारपीट ने एक छात्र, सौरभ, की जान ले ली। यह घटना केवल एक व्यक्तिगत हत्या की कहानी नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज के गिरते मानवीय मूल्यों और नफरत की बढ़ती फसल का एक चिंताजनक प्रतीक है। जब स्कूल जैसे सुरक्षित स्थान पर भी इस प्रकार की घटनाएं होने लगें, तो यह हमारे समाज की गंभीरता को उजागर करती है और यह सोचने पर मजबूर करती है कि हम किस दिशा में बढ़ रहे हैं।

नफरत की जड़ें और सामाजिक विघटन- विगत कुछ वर्षों में, भारत में राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक नफरत का बीजारोपण तेजी से हुआ है। विभिन्न समुदायों और समूहों के बीच बढ़ती दरारें हमारे समाज में हिंसा और अशांति को बढ़ावा दे रही हैं। जब युवा पीढ़ी को इस तरह के नफरत के उदाहरण देखने को मिलते हैं, तो यह स्वाभाविक है कि वे इसे अपने व्यवहार में अपनाने लगते हैं।

एक अध्ययन से यह पता चलता है कि नफरत की भावनाओं को बढ़ाने में मीडिया और सोशल मीडिया का भी योगदान है। हिंसा और नफरत के मामलों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, जो बच्चों के मन में नकारात्मक सोच का विकास करता है। जब बच्चे अपने आसपास के वातावरण में घृणा और हिंसा के उदाहरण देखते हैं, तो यह उनके मन में एक नकारात्मक छवि को स्थापित करता है।

शिक्षा प्रणाली की खामियां- भारत की शिक्षा प्रणाली, जो ज्ञान और विवेक का प्रसार करने का कार्य करती है, उसमें भी गहरी खामियां हैं। स्कूलों में हिंसक घटनाएं होना इस बात का संकेत है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि बच्चों में सहिष्णुता, नैतिकता और सहानुभूति का विकास करना भी होना चाहिए। इसके अलावा, स्कूलों में शिक्षकों का प्रशिक्षण भी आवश्यक है। शिक्षकों को यह समझना होगा कि वे केवल ज्ञान का प्रसार नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे बच्चों के मानसिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जब शिक्षक अपने छात्रों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा नहीं देते हैं, तो यह स्थिति गंभीर हो जाती है।

सरकार की नाकामी- इस घटना में सरकार की नाकामी भी एक बड़ा मुद्दा है। शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनकी प्रभावशीलता पर सवाल उठते हैं। जब स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था का अभाव होता है और छात्रों के बीच आपसी विवादों को सुलझाने के लिए कोई प्रभावी प्रणाली नहीं होती, तो यह सरकार की विफलता को दर्शाता है।

सरकार को चाहिए कि वह स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करे। इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षकों को बच्चों के बीच आपसी विवादों को सुलझाने के लिए उचित प्रशिक्षण दिया जाए। इसके साथ ही, छात्रों को संवाद का महत्व समझाना

आवश्यक है ताकि वे अपनी भावनाओं को सही ढंग से व्यक्त कर सकें।

इसके अलावा, सरकार को स्कूलों में मनोवैज्ञानिक परामर्श की व्यवस्था को अनिवार्य करना चाहिए। एक प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक की उपस्थिति छात्रों को अपनी भावनाओं को समझने और नियंत्रित करने में मदद कर सकती है।

परिवार और समाज की भूमिका- परिवार की भूमिका इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। माता-पिता को अपने बच्चों के लिए आदर्श बनना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना होगा कि नफरत और हिंसा का कोई स्थान नहीं है। जब परिवार में माता-पिता अपने बच्चों को सिखाते हैं कि किसी भी समस्या का समाधान हिंसा नहीं है, बल्कि संवाद और सहिष्णुता से होना चाहिए, तो बच्चे उसी के अनुसार विकसित होते हैं। समाज को भी इस दिशा में जागरूक होना होगा। स्थानीय समुदायों में आपसी मेलजोल और संवाद बढ़ाने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए। इसके अलावा, स्कूलों और कॉलेजों में विविधता और समर्पण पर आधारित कार्यक्रम आयोजित करने से बच्चों में सहिष्णुता और सम्मान की भावना विकसित हो सकती है।

मीडिया का प्रभाव- आज के युग में मीडिया और सोशल मीडिया का प्रभाव अत्यधिक बढ़ गया है। नफरत और हिंसा के मामलों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, जिससे युवा पीढ़ी में नकारात्मक सोच का विकास होता है। जब बच्चे अपने आसपास नफरत और हिंसा के उदाहरण देखते हैं, तो यह उनके मन में गहरी छाप छोड़ता है। इस संदर्भ में, मीडिया को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उसे नफरत के बजाय समाज में सकारात्मकता फैलाने की कोशिश करनी चाहिए। ऐसे कार्यक्रमों और समाचारों का प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए, जो सहिष्णुता और प्रेम का संदेश दें।

समाज में सकारात्मक बदलाव की आवश्यकता- इस घटना ने हमें यह सोचने पर मजबूर किया है कि क्या हम अपने बच्चों को एक सुरक्षित और प्रेमपूर्ण वातावरण दे पा रहे हैं? जब समाज नफरत की बुनियाद पर खड़ा हो जाता है, तो उसका हश्र वही होता है, जो हमने देखा है। अब समय आ गया है कि हम सभी मिलकर इस समस्या का समाधान करें। अंत में, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे बच्चे नफरत नहीं, बल्कि प्रेम और सहिष्णुता का पाठ पढ़ें। शिक्षा, परिवार और समाज के सभी स्तरों पर एक सकारात्मक बदलाव की आवश्यकता है। अगर हम अब भी इस दिशा में कदम नहीं उठाते हैं, तो हम एक और गंभीर घटना का सामना करने के लिए तैयार रहें।

जब तक हम समाज में नफरत को खत्म करने के लिए संगठित प्रयास नहीं करेंगे, तब तक हम एक बेहतर भविष्य की उम्मीद नहीं कर सकते। यह हमारे युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए एक बड़ा खतरा है, और हमें इसे हर कीमत पर रोकना होगा। तभी हम अपने समाज को एक सुरक्षित और सहिष्णुता से भरा बना सकते हैं।

और बैठक मुल्तवी हुई...

कटाक्ष

सुधीर देशपांडे

अरे, यार ये नहीं समझ में आ रहा कि कार्यकारिणी के बाकी सदस्य क्यों नहीं आ रहे. पचास मेंबर है. दस नहीं आए अब तक. अध्यक्ष ने कहा सब को खबर कर दी थी? पहला सदस्य बोला. जो आए हैं वे क्या बगैर सूचना के आए है?- सचिव एक बार और फोन कर लो. पहला उकता गया हूँ फोन कर कर के. मेरी लडकी की शादी तो है नहीं कि मनुहार करूँ.- सचिव सचिव हो, ये तुम्हारी जिम्मेदारी है. -दूसरा मैं अभी त्याग पत्र लिख देता हूँ. मुझे नहीं चाहिए ये सचिवगिरी. फोकट के चोचले. साला अपनी अडी हो जैसे. आप अध्यक्ष हो. आप की भी तो जिम्मेदारी है. सचिव ने कहा

समाजसेवा का भूत तो अपने को ही था.

बाकी लोग तो सालाना चंदा देकर छूट जाते हैं. अध्यक्ष बोले

ऐसा नहीं होना चाहिए. दूसरा ने कहा

पर होता ऐसा ही है. पहला बोला

एजेंडा क्या है? तीसरे ने पूछा

बैठक शुरू होने तो दो सब बता देंगे. सचिव ने कहा.

बैठक कब शुरू होगी? तीसरे ने पूछा.

कोरम पूरा होने दो. अध्यक्ष बोले

कोरम कब पूरा होगा? - दूसरा

अब तुम कोई नये तो हो नहीं जो हम बताएं- अध्यक्ष बोले.

इससे क्या? अपनी कमेटी में कोरम कब पूरा हुआ है? - दूसरा और पहले ने एक साथ कहा. छः महिने पहले जब सामूहिक भोजन रखा था तब. सचिव ने याद दिला या. तो अब भी रख लेते. वही मेन्यू भी रख लेते. बढिया मेन्यू था और वेन्यू भी- पहले ने याद किया.

हम तो रख भी लें पर कोषाध्यक्ष कहाँ हामी भरते हैं. सचिव ने बोला वे तो अच्छे कामों में भी बजट घटाकर देते हैं. पहले ने कहा खाने पाने में ही लुटा दें सब. कोषाध्यक्ष ने कहा. तुम बात बात पर भड़कते क्यों हो यार? पहला सदस्य बोला. बात ही ऐसी करते हो. कोषाध्यक्ष बोले

अच्छा आज का क्या मेन्यू है.- दूसरा सदस्य.

एजेंडा पूछो. - सचिव

वही बता दो. - दूसरा सदस्य

बैठक शुरू होने दो. -सचिव

कब शुरू होगी- तीसरा सदस्य

कोरम तो पूरा होने दो. -पहला सदस्य

कोरम कब पूरा होगा.. दूसरा सदस्य

फिर वही बात. - सचिव

पंद्रह मिनट राह देख लें- अध्यक्ष

जिनको आना था आ चुके. बैठक शुरू करो.- पहला सदस्य

चलो शुरू करते हैं. - सचिव

पाँच मिनट रुक जाओ. - अध्यक्ष

उससे क्या होगा? - सचिव

होने को तो कुछ भी हो जाएगा. - अध्यक्ष

कुछ नहीं होना. - सचिव

पानी की व्यवस्था हो गई. - सचिव

और चाय बिस्किट?.- पहला

बस इतने पर ही निपटाओगे? जब तक बैठक शुरू नहीं होती, चाय नाश्ता ही करवा देते? - दूसरा जो है वही ठीक. पैसे की जरूरत आगे है.- कोषाध्यक्ष बोले.

तो किस किस ने जमा कर दी राशि?- सचिव

अभी बीस बचे हैं. आपकी भी नहीं आई.- कोषाध्यक्ष

सचिव- मेरी छोडो यार जब कहोगे तब जमा कर दूँगा.

पिछले बार भी यही कहा था.- कोषाध्यक्ष

अब रहती है यार मजबूरी. - सचिव

तो आज जमा कर दो? - कोषाध्यक्ष

आज नहीं. - सचिव

क्यों? अभी तो कह रहे थे. जब कहोगे तब.. पहला

तो कह तो अब भी रहा हूँ. - सचिव

तो अभी कर दो - दूसरा

कहा तो, रहती है यार मजबूरी. और किस किस के नाम है?- सचिव

चलो यार बैठक शुरू करें. बहुत समय हो गया.- अध्यक्ष

एजेंडा पढो.- तीसरा

तो पहिला बिंदू है.. सचिव

नहीं, बैठक आज नहीं हो सकती?

क्यों भाई?

कोरम पूरा नहीं है इस लिए?

नहीं मुझे एक जरूरी काम याद आ गया है. पहला.

मुझे भी - दूसरा- इतनी देर सिर्फ मेम्बरान की राह देखते कौन रुकता है? मैं निकलता हूँ. बीबी को समय दिया था.

समाज को आगे रखने वाले बीबी के झुकेंगे तो कैसे काम चलेगा? तीसरा तुम मत झुको? करो देश सेवा. दूसरा तीसरे के फोन की घंटी बजती है. फोन उठाकर - बोलो.... अरे.. बस दो मिनट. चलो भई बैठक अगली तारीख के मुल्तवी कर दो.. सचिव - चलिए अध्यक्षजी, करें बैठक मुल्तवी. अध्यक्ष लंबी सांस भरकर - करिये जी. बिला वजह एक घंटा खराब हुआ.

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

नंदकिशोर बर्वे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

आत्मकथा का माहात्म्य

ओहदेदार आत्मकथा लिखते हैं। जो ओहदे पर नहीं है, वह क्या खाकर आत्मकथा लिखेगा ? श्रद्धेय शरद जोशी के शब्दों में कहें तो जो ओहदेदार नहीं है उसकी काहे की आत्मा और कैसा कथ्य ? हालाँकि बात यह भी है कि यदि कोई ओहदेदार शरद जी का वह आत्मकथ्य पढ़ भर ले ले। फिर तो शर्म के मारे ही आत्मकथा लिखने का विचार त्याग सकता है। पर ओहदेदार ये सब क्यों पढ़े ? उसके पास करने को दूसरे बहुत से ज़रुरी और गैरज़रुरी काम होते हैं। ओहदेदार का वैसे भी आत्मा की आवाज या शर्म वगैरह से कोई वास्ता नहीं होता। आम आदमी अव्वल तो आत्मकथा लिखने की सोचता भी नहीं है, और अगर वह दुस्साहस कर के लिख भी लेगा तो उसे पढ़ेगा कौन ? आम आदमी को अपनी ही आत्मकथा पढ़ने दिलचस्पी क्यों होगी ? जहाँ देखो वही नून तेल लकड़ी ! अपना लिखा वैसे सभी को श्रेष्ठ ही लगता है, पर आम आदमी की आत्मकथा इस मामले में अपवाद होती है। कैसा विरोधाभास है, जिसके पास आत्मा नहीं है उसकी आत्मकथा होती है, और जो अपनी आत्मा की आवाज सुनकर ही जीवन बसर करता है उसकी आत्मकथा नहीं होती ! पर मूल बात है, ओहदेदार का आत्मकथा लिखना।

आत्मकथा में वे सारी बातें लिखी जाती हैं, जो घटनाक्रम के समय इस या उस कारण से कही नहीं गई। या जिन्हें कहे जाने के बाद भी अनकहे कारणों से अनसुना कर दिया गया हो। साथ ही इसमें वह सब भी होता है, जब लेखक को लगता है, कि 'मन में तो आया था कि ऐसा या वैसा कह दूँ पर मैंने सोचा कि छोड़ो यार।' लेकिन वह कहता नहीं है। सार यह कि आत्मकथा एक ऐसा दस्तावेज होती है जिसमें लिखने वाले के मन का गुबार पूरी तरह निकलने की कोशिश करता है पर निकल नहीं पाता। आत्मकथा पूरी होते ही फिर उसके मन में यह भी आता है कि 'वन बुक इज नाट इनफ' तब वह आत्मकथा का दुसरा भाग लिखता है। जो ओहदेदार जितना अधिक विवादित होता है, उसकी आत्मकथा का इंतज़ार उतनी ही शिद्दत से किया जाता है। अगर कहीं यह कोई फिल्म अभिनेत्री हुई तो फिर तो सोने पर सुहागा ही समझिये। अविवादित ओहदेदार की आत्मकथा फीकी दाल की तरह होती है, जो किसी को पसंद नहीं आती। विवाद आत्मा को भले ही चोट दे, लेकिन आत्मकथा वे रोचक बनाते हैं। ओहदेदार जब भी आत्मकथा लिखने बैठता है तो आत्मा के किसी कोने से आवाज़ ज़रुर आती है - 'क्या किसी चीज़ का एहसास सताता है तुम्हें। तुम क्या करते हो किसी बात का सदमा लिखना।' लेकिन ओहदे पर रहते हुए ओहदेदार अपनी आत्मा को बार बार बेचकर इतना निर्लज्ज हो जाता है, कि वह अपनी आत्मा की आवाज को मारकर उसकी आवाज़ अनसुनी ही करता रहता है। आशय यह है कि ओहदे पर रहते हुए यदि ओहदेदार अपनी आत्मा नहीं बेचे तो ओहदेदार बिरादरी उसे अपनी जाति से बाहर का रास्ता यह कहकर दिखा देगी कि यह कैसा ओहदेदार है जो अपनी आत्मा ही नहीं बेच रहा। जात बिरादरी में रहना हो तो नियम कायदे में रहना पड़ता है। ओहदेदारों की भी खाप पंचायतें होती हैं। ये पंचायतें गांव की खाप पंचायतों से ज्यादा धारदार हमला करती हैं इसलिये ज्यादा खतरनाक होती हैं। अपराधी ओहदेदार को ये कभी कोई रियायत नहीं देतीं। इसीलिये ओहदेदार यदि किसी से डरता है, तो केवल अपनी खाप पंचायत से। बाकी किसी से ओहदेदार को डरने की इजाज़त नहीं होती।

ओहदेदार आत्मकथा कब लिखे ? इसका कोई सर्वमान्य नियम नहीं है। फिर भी ओहदेदार जब ओहदे पर नहीं रहता, और जब वह कुछ और करने लायक नहीं रह जाता तब आत्मकथा लिखता है। आज कल तो किसी की बघिया उधेड़ने के लिये भी आत्मकथाएं लिखी जा रही हैं। जिसकी बघिया उधड़ने वाली होती है, वह पहले ही सतर्क हो कर डेमेज कंट्रोल में जुट जाता है। हालाँकि इस तरह के प्रयास आत्मकथा को और लोकप्रिय ही बनाते हैं। सवाल यह भी उठता है कि आदमी किसी की आत्मकथा क्यों पढ़ना चाहता है ? इसके पीछे शायद छुपे हुए को जानने की जिज्ञासा और रोमांच रहता है। जो दिख रहा है उससे इतर हर व्यक्ति वह देखना या सुनना चाहता है, जो अंदर का है या जो छुपा हुआ है। और जब तक यह जिज्ञासा बनी रहेगी आत्मकथाएं लिखी जाती रहेंगी।

पहल

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। संप्रति पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के डॉ. आंबेडकर चेयर में चेयर प्रोफेसर हैं।

लेखक गांव निशंक का नवोन्मेषी नवाचार

चर्चा में आज़कल लेखक गाँव है। विश्वग्राम में बदलती दुनिया सूचना तकनीकी के विकास की वजह से संभव हुई है लेकिन लेखक गाँव उस तरह की मशीनीकृत सभ्यता की वजह से नहीं अपना अस्तित्व पा रहा है बल्कि इसके पीछे निशंक जी की अंतःकरण की संवेदना है। डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ऐसे ही नए नवोन्मेष के लिए जाने जाते हैं। जब वह संस्कृति मंत्री थे तो उत्तर प्रदेश में सांस्कृतिक सभ्यता व उद्यम से जुड़े लोग खुश हो गए थे क्योंकि निशंक जी ने कभी किसी संस्कृति कर्मी को रोका नहीं, उन्हें प्रोत्साहित किया। जब वे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री बने तो विकास के नए प्रतिमान बनाए।

डॉ. निशंक जब देश के शिक्षा मंत्री बने तो उन्होंने एनईपी-2020 जैसे भारत को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में ले जाने वाली शिक्षा नीति लागू करवाई। निशंक जी का यह महनीय कार्य भारतीय सभ्यता का ऐतिहासिक कार्य है। उनके श्रम, दृष्टिकोण और उस दृष्टिकोण को मूर्तरूप प्रदान करने की आत्मशक्ति से पूरा भारत अब परिचित हो चुका है। हमें स्मरण है जब साहित्य अकादमी में आयोजित एक कार्यक्रम में निशंक जी ने लेखक गाँव के संकल्प-पत्र को सबके समक्ष साझा किया था। अवसर था निशंक जी के रविवासरीय वार्ता का यूरोपीयन इनसाइक्लोपीडिया में उस दिन नाम दर्ज हुआ था। निशंक जी ने जब साझा किया था कि हम उत्तराखण्ड में एक लेखक गाँव की शीघ्र स्थापना करेंगे। उस लेखक गाँव में देश के लेखक आकर रुकेंगे। वहाँ एक उन लेखकों के लिए ग्रंथालय भी होगा। उसमें वे पढ़-लिख सकेंगे। अपना चिंतन करने का एक शांतिपूर्ण स्थान हम शीघ्र बनाने जा रहे हैं। निशंक जी ने कहा था कि इसमें आप सभी कभी आकर रुकें। पढ़ें। लिखें। नई पुस्तकों का ठहर कर सृजन करें।

निशंक जी ने लेखक गाँव बना दिया। बहुत गर्व की अनुभूति होती है कि हमारा परिचय एक ऐसे व्यक्तित्व से है जो अपने वचन को निभाने वाला है। अंतःकरण से सांस्कृतिक व्यक्तित्व है और संस्कृति की रक्षा व विस्तार जिसके जीवन का ध्येय है। निशंक जी ने जब-जब कुछ किसी से कहा खूब निभाया। देश में लाभ लेने वाले लोग उनके पास आए और उनसे लाभ लिए। काम निकलने के बाद वे निशंक जी को छोड़कर कोई और ठाँव चुन लिए। निशंक जी के ऊपर इससे कोई असर नहीं पड़ा। वे निरंतर धुन के अपने पक्के हैं। उनका तो स्वप्न है भारतीय सांस्कृतिक विस्तार। उनका तो स्वप्न है भारत माता की सेवा। उनका तो अंतस ही साहित्य सेवा के लिए है। लेखक गाँव उसी का प्रतिफल है। उन्हें इसका कभी फर्क पड़ा ही नहीं कि कौन आया कौन गया। लालची लोग इस महामानव के कर्मयोगी व्यक्तित्व के सामने एक्सपोज ज़रूर हो गए। निशंक जी आगे बढ़ते गए। लेखक गाँव उन्होंने बना दिया।

इस लेखक गाँव में अब भारत के ही नहीं अपितु विश्व के हिंदी सेवी व साहित्य प्रेमी अपने लेखकीय जीवन की साधना करने आ सकेंगे। वे नितांत एकांत में साहित्य का चिंतन, मनन, सृजन व संपादन कर सकेंगे। यह एक श्रेष्ठ लक्ष्य भेदने वाले का कर्त्तव्य होता है कि वह अपने हर वचन और संधान को सार्वजनिक करे तो पूरा करे। निशंक जी ने लेखक गॉव जैसे इनिशिएटिव को आज़ सही स्वरूप दे दिया है। उन्होंने लेखकों के अंतस्थल को जीत लिया है। बहुत से साहित्यकारों के पास बहुत कुछ था। बहुत हुआ तो वे अपनी किताबें दान देकर ग्रंथालय बना दिए। भारत मे बहुत से नेता भी हुए वे कभी ऐसे इनिशिएटिव को दिमाग में नहीं ला पाए। निशंक जी जो कि सरस्वती पुत्र हैं, उन्होंने सरस्वती के संधानकर्ताओं को एक ऐसा अवसर दिया है जो अभिनंदनीय है। जो स्थल प्रदान किया जो आने वाले समय में व्यापक शोध व अनुसंधान की स्थली बनेगी।

लेखक गाँव में अब देश व विदेश के साहित्यसेवी तीन दिन के लिए 25 अक्टूबर को एकत्रित हो रहे हैं। यह लेखक गाँव का पहला सहित्यसेवियों, कलमकारों का सम्मेलन है। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में लिखने-पढ़ने व सर्जना करने की संस्कृति में विश्वास करने वाले लोग अपने-अपने अनुभव साझा कर भारतीय साहित्य को समृद्ध बनाएंगे। यह एक व्यक्ति की इच्छाशक्ति से सब कुछ होने जा रहा है। विदेशों से भी अनेक साहित्यकारों के भीतर लेखक गाँव जैसी संकल्पना के लिए बहुत ही अच्छी राय है। वे आएंगे और साहित्य संगम में विविध विधाओं पर परिचर्चा करेंगे। साझी संस्कृति, साझी सोच से समरस समाज बनाती है और इस विविधता में भारतीय एकीकरण की जो साथ-साथ चलने की संस्कृति विकसित होती है वह हमारी ताकत बन जाती है। राष्ट्रीय भावना का इससे विकास होता है।

लेखक गाँव अब भारत का पहला एक ऐसा स्कूल होगा जो भारतीय लेखकों का उत्पादन करेगा। यह गाँव अनुवाद के माध्यम से आने वाले समय में विविध भाषाओं में हुए कार्यों को भी भारतीय पाठ का हिस्सा बनाएगा। हमारी साहित्य भी विदेशों से आने वाले लेखकों द्वारा अनूदित होंगी। रामायण व रामचरितमानस के अनूदित पाठ दुनिया में हो रहे हैं। गीता का अनूदित पाठ हो रहा है। भारतीय क्लासिक अब इस गांव से विदेशी सहित्यसेवियों के हृदय में ठाँव बनाएंगे तो हमारे विपुल साहित्य के प्रति विदेशियों में और ज्यादा समझ विकसित होगी और भारत के साहित्य का सम्मान बढ़ेगा।

अब दुनिया में सूचना प्रौद्योगिकी का व्यापक विस्तार हो चुका है। अब आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का युग आ गया है। एआई के सहारे बढ़ने वाले आज़ के समाज में लेखक गाँव की अवधारणा बहुत सुंदर लगती है। यह लेखक गाँव भी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का प्रयोग करेगा। लेखक गाँव के लोग भी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की भाषा समझ लेंगे और इसका सहयोग लेकर भी आगे बढ़ेंगे। सोचेगा तो मनुष्य, सोचेंगे दिमाग लेकिन तकनीक और सुपर-स्ट्रक्चर के सहारे यदि हमारी लाइब्रेरी, हमारे विरासत के अभिलेख डिजटल बनाकर सुरक्षित होंगे और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस हमें उन अभिलेखों के तात्विक समझ को चंद समय में समझा देगा तो लेखक गाँव तैयार है इसकी मदद लेने के लिए।

भारत में भगवान राम के विग्रह की स्थापना अयोध्या में हुई। माँ सरस्वती के विग्रह की स्थापना लेखक गॉव में होगा। यह दोनों काम पुनीत कर्म है। निशंक जी ने निःसंदेह लेखक गॉव की स्थापना की लेकिन यह लेखक धर्म की स्थापना है। अपने स्वयं साहित्य सृजित करो और दूसरों को भी करने का अवसर दो। यह अवसर देना पुनीत भाव है। पुनीत अभीष्ट का प्रतिफल है। लोग अपने लिए जीते हैं। निशंक जी जैसे लोग निःस्वार्थ सबके होकर जीते हैं। यह भाव ही आज़ लेखक गॉव के रूप में एक नई स्थापना लेकर आया है।

एक संकल्प निशंक जी का पुनः स्थापित हो गया। वह ऐसे ही संकल्पनाओं के साथ आगे बढ़े हैं यदि सबका साथ मिले तो ऐसे कई प्रतिमान उनके भीतर पक रहे होंगे, वे भी भविष्य में स्थापित हो जाएंगे। आवश्यकता इस बात की भी होती है कि लोग इसे अपना समझें। केवल एक पल के लिए नहीं, हमेशा के लिए समझें। इसको अच्छा बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। इसमें तन-मन-धन से समर्पण से सहयोग दें। रुचि लें। आएं लेखक गोंब और खूब पढ़ें। सृजित करें। साहित्य के विविध विधाओं में अपने चिंतन करके लिखें। भारतीय साहित्य के माध्यम से भारत को विश्व में स्थापित करें और दुनिया के साहित्य के तात्विक सामग्रियों को अनुदित कर उन्हें भी पढ़ने समझने का अवसर दें जो बहुत सारी भाषाएं नहीं जानते। कम से कम वे हिंदी अनुवादित सामग्री के माध्यम से विश्व के साहित्य से परिचित हो सकें।

यह एक यात्रा है साहित्य की नई सी जो लेखक गॉव से शुरू हो रही है लेकिन जाएगी बहुत दूर। सनातन लोग इसे एक अनवरत साधना की यात्रा बनाकर आगे बढ़े तो यह लेखक गाँव विश्व मे अपना नया इतिहास बनाएगा। आवश्यकता इस बात की है कि हम प्रज्ञाशील हो सतत कार्य करें और लेखक गॉव की अवधारणा को समझकर उसके अभीष्ट को अपना बना लें।

विडंबना

बंसीलाल परमार

लेखक स्तंभकार हैं।

पैर विहीन चप्पल और हमारी लग्जरी

मैं 16 अक्टूबर को भोपाल इंटर सिटी से उज्जैन जा रहा था। कैमरा तो साथ ही रहता साथ ही खिड़की वाली सीट भी मिल गई। खाचरोद स्टेशन पर गाड़ी के प्रवेश करते ही मैंने आदिवासी बुजुर्ग का यह चित्र चलती ट्रेन से ले लिया। इस तरह फोटो खींचने का सिलसिला उज्जैन तक जारी रहा।

यात्रा करते समय मेरा ध्यान पूरी चौकसी के साथ अपने लक्ष्य की ओर रहता है। खींचे गए चित्र को दोबारा देखने तक का समय तक नहीं मिलता। उज्जैन पहुंचते ही अस्पताल में अपनी बारी आने का इंतजार करते हुए मैंने ताजा क्लिक किए गए चित्रों को सरसरी निगाह से कैमरे के व्यू फाइंडर में देखना शुरु किया। जैसे ही यह चित्र आया तब गौर से देखा कि बुजुर्ग आदिवासी के एक पैर में चप्पल है दूसरे में नहीं। मन अवसाद से भर गया। एक ओर लोगों के पास प्रतिदिन अलग-अलग काम के अलग-अलग जूते-चप्पल उपलब्ध रहते हैं। ,

कभी रिपेयरिंग हेतु किसी मोची की दुकान पर जाना भी शान के खिलाफ है। वही दूसरी ओर इस बुजुर्ग को एक चप्पल रहित देखना मन को दुखी कर गया । विचार करते रहा दिन भर।

शाम सुवासरा आया,थका होने के कारण फोटो

कंप्यूटर पर लोड नहीं कर पाया। कल जब चित्र लोड कर एक एक चित्र को गौर से देखना शुरु किया तब इस चित्र को भी देखा। जब एनलार्ज कर चित्र को देखा तो सन्न रहा गया! जिसको एक चप्पल रहित देख कर दुखी था, उस चप्पल को पहनने वाली टांग ही नहीं थी। चित्र खींचने के पहले चरण में मेरा ध्यान सिर्फ बुजुर्ग आदिवासी, उसकी लाठी तथा उसकी छाया के हिसाब से था। क्या पहन रखा इस पर नजर नहीं गई। जब कैमरे के व्यू फाइंडर में देखा तब भी सारा ध्यान चित्र में एक चप्पल न होने पर केंद्रित हो गया। जब कंप्यूटर में लोड़ कर गौर से देखा तो दुख और आवर्धित हो गया। बहुत समय पहले की दो कहानियां याद आ गई। बचपन में पढ़ी कहानी 'नंगे पैर' जो एक पोस्टमैन तथा एक बालिका से संबंधित थी। दूसरी कहानी लगभग 10 साल पहले कमलेश्वर की लिखी 'चप्पल' याद आ गई। कभी कभी लगता है ये सारी विषमताएं कहां से जन्मती है? इस प्रश्न के अलग अलग उत्तर होंगे, हर वाद की दृष्टि से।

बढ़ते प्रकरण चिंता की बात

कोटा में आत्महत्या

संदीप कुलश्रेष्ठ

राजस्थान के कोटा में देशभर से नीट यूजी की तैयारी करने वाले छात्र पहुँचते हैं। वहाँ उन पर इतना मानसिक दबाव रहता है कि वे मजबूरी में आत्महत्या जैसे कदम भी उठा लेते हैं। पिछले दिनों उत्तरप्रदेश के मिर्जापुर निवासी आशुतोष चौरसिया ने अपने कमरे में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। इस साल कोटा में कोचिंग के छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने का यह 15वां प्रकरण है। दिनों दिन छात्रों के बढ़ते आत्महत्या के प्रकरण गहरी चिंता की बात है।

गत वर्ष 26 मामले

कोटा में हर साल कोचिंग की तैयारी कर रहे छात्रों द्वारा मानसिक रूप से परेशान होने पर आत्महत्या के प्रकरण आते रहते हैं। गत वर्ष 2023 में आत्महत्या के ऐसे ही 26 मामले सामने आए थे। यह अपने आप में चिंता की बात है।

कोचिंग के भ्रमजाल से निकले छात्र

पता नहीं छात्रों की मानसिकता में अब ऐसा क्या बदलाव हुआ है कि वे समझते है कि बिना कोचिंग के वे नीट यूजी में सिलेक्ट नहीं हो सकते। इसके लिए देशभर के माता-पिता अपने-अपने बच्चों को कोटा कोचिंग के लिए भेज देते हैं। कई पालक तो अपने बच्चों को कक्षा 8वीं के बाद ही 9वीं कक्षा से ही तैयारी करने भेज देते हैं। छात्र वहाँ 4 साल रहकर जहाँ हायर सेकेंडरी उर्त्तीण करता है, वहीं उनपर कोचिंग का भी दबाव रहता है। इससे वे अत्यधिक मानसिक दबाव में आ जाते हैं। किन्तु अनेक ऐसे प्रकरण भी आए हैं, जिसमें बिना कोचिंग के भी छात्रों ने अपने घर रहकर तैयारी की और सफलता प्राप्त की है। ऐसे प्रकरणों की जानकारी माता-पिता को छात्रों को देना चाहिए, ताकि वे कोचिंग के भ्रम जाल से बाहर निकले।

पालकों की भी है जिम्मेदारी

सामान्यतः यह देखा गया है कि कक्षा 9वीं के बच्चें हो या 11वीं के, वे आगे क्या करना है ? यह सहज तय नहीं कर पाते हैं। इसके लिए माता-पिता ही उन्हें आईआईटी की तैयारी करने कोचिंग सेन्टर भेज देते है। राजस्थान का कोटा इसके लिए देशभर में कोचिंग का पसंदीदा स्थान है। माता-पिता को चाहिए कि वे पहले अपने साथ ही छात्रों को रखें और उच्च शिक्षा की तैयारी करवाएं तो निश्चित रूप से छात्र सफल हो सकेगा।

कोचिंग सेंटरों पर हो नकेल

देशभर में विशेषकर कोटा में पढ़ रहे कोचिंग के छात्र जहाँ अपनी हायर सेकेंडरी की पढ़ाई करते हैं, वहीं उच्च शिक्षा की भी तैयारी करने में लगे रहते हैं। कोचिंग सेंटर अपने यहाँ के अधिक से अधिक बच्चों को सफलता दिलाने के लिए पढ़ाई का अत्यधिक बोझ डाल देते है। कोचिंग सेंटर में रोज अत्यधिक पढ़ाई के बाद उसे होमवर्क भी दे देते हैं। इससे छात्र आराम नहीं कर पाते हैं। इसके लिए राज्य सरकारों को चाहिए कि वे अपने राज्य के कोचिंग सेंटरां पर नकेल रखें, ताकि बच्चे अत्यधिक दबाव में ऐसा कोई कदम नहीं उठा पाए, जिससे बच्चे आत्महत्या के लिए मजबूर हो जाए। इसके लिए राज्य सरकारों को कानून में बदलाव भी करना पड़े तो करना चाहिए।

सामयिक

सुशील कुमार 'नवीन'

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

नायब सिंह के सामने अब 'नायाब' होने की चुनौती

गुजरात के बाद हरियाणा ऐसा राज्य बना है, जहां भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करने का गौरव हासिल हुआ है। वो भी ऐसी स्थिति में जहां प्रदेश में भाजपा के सत्ता में आने की उम्मीद पर काफी चिल्लम पौ मची हुई थी। खैर अब इस पर चर्चा करना वक्त से बेमानी है। भाजपा सत्ता में आ गई है और नायब सिंह ने टीम सहित दायित्व ग्रहण कर लिया है। जरूरत है अब जनता के द्वारा अनमोल गिफ्ट के रूप में दी गई सत्ता के संचालन का।

लाडवा (कुरुक्षेत्र) से विधायक नायब सिंह सैनी ने अपने 13 सिपहसालारों के साथ हरियाणा के नए मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। मंत्रियों के विभाग आवंटन फूंक- फूंक कर किए गए है। कोशिश की गई है कि किसी तरह की नाराजगी सामने न आने पाए। प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में यह उनका दूसरा कार्यकाल है। वे 11वें ऐसे नेता हैं जिन्हें मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। नायब सिंह से पहले मनोहर लाल भाजपा से दो बार मुख्यमंत्री का दायित्व निर्वहन कर चुके हैं।

गुजरात के बाद हरियाणा ऐसा राज्य बना है, जहां भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करने का गौरव हासिल हुआ है। वो भी ऐसी स्थिति में जहां प्रदेश में भाजपा के सत्ता में आने की उम्मीद पर काफी चिल्लम पौ मची हुई थी। खैर अब इस पर चर्चा करना वक्त से बेमानी है। भाजपा सत्ता में आ गई है और नायब सिंह ने टीम सहित दायित्व ग्रहण कर लिया है। जरूरत है अब जनता के द्वारा अनमोल गिफ्ट के रूप में दी गई सत्ता के संचालन का।

फिलहाल भाजपा यह कह सकती है कि प्रदेश में किसी प्रकार की एंटी इनकम्बेंसी नहीं थी। जनता ने खुलकर भाजपा का साथ दिया है। पर चुनावों में एंटी इनकम्बेंसी नहीं थी, इस बात से इनकार भी नहीं किया जा सकता है। जब भी कोई पार्टी ज्यादा समय तक सत्ता में रहती है तो उससे खुश होने वाले कम और नाराजगी वाले ज्यादा होते हैं। बदलाव समय की प्रक्रिया है। प्रदेश में भाजपा का यह तीसरा काल है। लोकसभा चुनाव में सत्ता विरोधी लहर का कांग्रेस का पूरा फायदा मिला था, पर विधानसभा चुनाव में भाजपा अपने कुशल प्रबंधन से फिर से सत्ता में लौट आई। अब समय जो एंटी इनकम्बेंसी चुनावों के दौरान दिखाई दी थी, उसे अब पॉजिटिविटी में बदलना है।

चुनावों के समय भाजपा का खुले रूप में सबसे ज्यादा विरोध करने वाला वर्ग कर्मचारियों का हैं। प्रदेश में करीबन पौने तीन लाख सेवारत कर्मचारी हैं। इसमें यदि डेढ़ लाख पेंशनर और मिला दिए जाएं तो संख्या पांच लाख पार हो जाती है। कर्मचारी वर्ग विशेषकर पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) लागू करने के मुद्दे को प्रमुखता से उठाता रहा है। लोक सभा चुनाव में भी कर्मचारी संगठनों ने इसे खूब भुनाया। विधानसभा चुनाव में भी कर्मचारी वर्ग भाजपा से नाखुश दिखा। लोहारू, आदमपुर, रोहतक जैसी सीट बहुत कम अंतर से रही है। इनमें भी कर्मचारी वर्ग का बड़ा रोल है। बैलेट पेपर में भी भाजपा की मत प्रतिशतता पचास फीसदी ही रही है। इस वर्ग को भी अपने साथ जोड़ना आने वाले समय के लिए नायब सरकार के लिए जरूरी है।

2020-2021 में दिल्ली की सीमाओं पर चले किसान आंदोलन का असर भी इस चुनाव में खूब दिखा। उस दौरान किसानों पर लाठीचार्ज, मुकदमे और आंदोलनकारी किसानों की मौत से एक बड़ा वर्ग सत्ताधारी भाजपा से नाराज दिखा। इसका असर लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिला। 2019 के लोकसभा चुनाव में राज्य की सभी 10 लोकसभा सीटें जीतने वाली भाजपा 5 सीटों पर सिमटकर रह गई। किसान आंदोलन का असर हरियाणा के कई विधानसभा सीटों पर देखने को मिला। भाजपा नेताओं को किसान वर्ग के गुस्से का भी शिकार होना पड़ा। किसानों को भी अपने साथ जोड़ने के लिए नायब सरकार को सकारात्मक होना पड़ेगा।

चुनाव में बेरोजगारी भी बड़ा मुद्दा था है। कांग्रेस के संकल्प पत्र में पार्टी ने सरकार बनने पर 2 लाख पक्की नौकरी का वायदा किया था। वहीं भाजपा ने भी दो लाख युवाओं को पक्की सरकारी नौकरी और पांच लाख युवाओं को अन्य रोजगार के अवसर एवं नेशनल अप्रेंटिशिप प्रमोशन योजना से मासिक स्टाइपेंड देने की घोषणा की हुई है। कांग्रेस नेताओं के पर्ची खर्ची बयानों पर भाजपा बिना पर्ची बिना खर्ची का नारा देकर युवा गर्ग को अपने साथ जोड़ने में कामयाब रही है। शपथ से पूर्व 24 हजार पदों का रिजल्ट निकालकर नायब सरकार ने जबरदस्त सिक्सर मारा है। युवा वर्ग में योग्यता पर नौकरी के विश्वास को नायब सरकार को बनाए रखना होगा।

नायब सरकार से पूर्व दो बार की मनोहर सरकार के समय कुछ बड़े घटनाक्रमों ने पूरे हरियाणा को हिलाया था। नवंबर 2014 में संत रामपाल गिरफ्तारी प्रकरण, फरवरी 2014 में जाट आंदोलन प्रकरण, अगस्त 2017 में डेरामुखी की गिरफ्तारी से उपजी हिंसा और जुलाई 2023 में नूंह हिंसा और तोड़फोड़ की बड़ी घटनाएं कभी भूली जाने वाली नहीं है। ये तो मनोहर लाल की पार्टी कैडर में अच्छी मजबूती रही, अन्यथा इस तरह की एक ही घटना मुख्यमंत्री बदलवा देती। इस तरह को कोई घटना क्रिएट न हो, इसके लिए प्रशासनिक मजबूती पर विशेष ध्यान रखना होगा। क्योंकि सरकार तो अफसर चलाते हैं। अफसरों की ढिलाई बने बनाए काम को बिगाड़ते देर नहीं लगाएगी। ऐसे में नायब सिंह को सबसे पहले अपनी टीम को मजबूत बनाना होगा। पिछली टीम मनोहर टीम थी, अब उसकी जगह नायब टीम बनानी होगी।

हरियाणा के जाट और किसान भाजपा से नाराज रहे हैं। इस फैक्ट से भाजपा पूर्ण रूप से वाकिफ है। ये दोनों वर्ग प्रदेश के बड़े वर्ग हैं। इनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। जाट, गैर जाट का ध्रुवीकरण हमेशा फायदा नहीं दे सकता। परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आई डी की त्रुटियों को भी विपक्ष ने खूब भुनाया है। इन्हें सुधारने में हालांकि भाजपा सरकार ने काफी प्रयास भी किए हैं, पर अभी भी ये नाकाफी है।

सबसे आखिरी और प्रमुख ध्यान अपने विधायकों और मंत्रियों के वर्किंग स्टाइल पर रखना होगा। इसे लेकर भी लोगों में काफी नाराजगी रही। अपने 9 वर्ष से अधिक के कार्यकाल में मनोहरलाल केंद्र के समक्ष 'मनोहर' रहने में कामयाब रहे। अब नायब की बारी है, उन्हें मनोहर काल से अलग काम करके दिखाना होगा तभी वो नायब से 'नायाब' (उत्कृष्ट) बन पाएंगे। हमारी शुभकामनाएं उनके साथ है।

युवक की प्रताड़ना से तंग छात्रा ने खाया जहर, मौत

बैतूल। युवक की प्रताड़ना से तंग आकर एक छात्रा ने जहर खा लिया। इलाज के दौरान छात्रा ने जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि 21 वर्षीय कॉलेज की छात्रा भैंसदेही कॉलेज में पढ़ने आती थी। अस्पताल पुलिस चौकी के प्रभारी सुरेंद्र वर्मा के मुताबिक परिजनों ने बताया कि छात्रा को गांव का ही एक युवक एक साल से परेशान कर रहा था। जिसकी छात्रा ने कई बार शिकायत भी की थी। छात्रा ने रविवार शाम परेशान होकर जहर खा लिया। उस दौरान घर के लोग बाहर गए हुए थे। घर लौटने पर छात्रा के बेसुध मिलने पर उसे भैंसदेही सीएचसी लाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल बैतूल में भर्ती कराया गया था, यहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अस्पताल पुलिस चौकी ने छात्रा का पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। इस मामले में एसडीओपी भूपेंद्र सिंह और भैंसदेही थाना प्रभारी नीरज पाल ने बताया कि फिलहाल मर्ग की तहरीर प्राप्त नहीं हुई है, लेकिन यह जानकारी मिली है कि छात्रा को कोई युवक परेशान कर रहा था। इसकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

चोरी के आरोपियों को न्यायालय में किया पेश, मशरूका जब्त

बैतूल। शाहपुर पुलिस ने चोरी के मामले में तीन आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। वहीं फरार आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 14 सितंबर को कमल साहू पिता फुलचन्द साहू (56 वर्ष) निवासी एवनेजर स्कूल के सामने ग्राम मोतीढाना ने शिकायत दर्ज कराई थी कि मेरे घर पर रात्रि समय अज्ञात चोरो ने ताला तोडकर सोने-चांदी के जेवरात करीबन 3 लाख 20 हजार रुपये के चोरी कर लिये। पुलिस ने धारा 331(4), 305 ए बीएनएस का मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की। इस दौरान सूचना प्राप्त हुई कि थाना बरेली के अपराध क्रमांक 653/24 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के आरोपीगणो ने मेमोरण्डम थाना शाहपुर अंतर्गत मोतीढाना में चोरी करना स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपी दिलीप सिकलीकर निवासी सतवास देवास, देवीसिंह उर्फ देवेन्द्र, धर्मेन्द्र उर्फ बबलू एवं धनराजसिह तीनों निवासी अकलकुआ जिला नन्दुरवार महाराष्ट को प्रोटेक्शन वारंट पर प्राप्त कर पूछताछ की, जिन्होने अपने साथी अनिल सिकलीकर निवासी इन्दौर के साथ मोतीढाना में चोरी कर करना और अपने साथी अनिल के पास चोरी कर पूरा सामान होना बताया। पुलिस ने आरोपी अनिल सिकलीकर की तलाश कर गिरफ्तार किया। आरोपियों को न्यायालय पेश किया गया है। फरार आरोपी की तलाश पतारसी के लिए पुनः टीम गठित कर चोरी का मशरुका जप्त किया जाता है। इस कार्रवाही में थाना प्रभारी शाहपुर निरीक्षक जयपाल इनवाती, सउनि ओपी गढवाल, शिवेन्द्र सिह तोमर, नीरज पाण्डे, करण सिंह व प्रआर कमल साहू की सराहनीय भूमिका रही।

पटवारी पर गलत सीमांकन का आरोप, एसडीएम से की शिकायत

बैतूल। चिचोली तहसील के सिंगराईखापा ग्राम के कृषकगणों ने पटवारी हल्का नंबर 33 की पटवारी के खिलाफ एसडीएम से शिकायत की है। शिकायत के अनुसार, पटवारी ने बिना किसी पूर्व सूचना के रात के समय खड़ी फसल के दौरान मशीन द्वारा सीमांकन किया, जिससे किसानों की जमीन के रकबे में गड़बड़ी हो गई है। इस गलत सीमांकन से किसानों में आक्रोश है और उन्होंने इस मामले में एसडीएम से न्याय की मांग की है। शिकायतकर्ताओं जिल्लू पाटले, गन्नू धुर्वे, धन्नू धुर्वे, शांतिवन, और मंगलू धुर्वे ने बताया कि पटवारी प्रतिक्षा झाडे ने बिना किसी सूचना के 7 बजे रात में मशीन द्वारा सीमांकन किया। सीमांकन के समय मौके पर उपस्थित न रहने से कई खेतों में जमीन का रकबा गलत निकाला गया है। कुछ किसानों की जमीन ज्यादा निकली है तो कुछ की कम, जिससे अब वे कब्जे की मांग कर रहे हैं। किसानों ने आरोप लगाया कि रात में खड़ी फसल के बीच गलत तरीके से किए गए सीमांकन से उनकी जमीन में असमानता पैदा हो गई है। जिससे किसानों में आपसी विवाद उत्पन्न हो रहा है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि इस तरह के गलत सीमांकन के कारण किसानों को भविष्य में जमीन से जुड़े विवादों का सामना करना पड़ सकता है।

आरोपियों की गिरफ्तारी में देरी पर जताया विरोध

आम आदमी पार्टी के नेताओं ने कराया मुंडन

बैतूल। भाजपा नेता रविन्द्र देशमुख सुसाइड केस में आरोपियों की गिरफ्तारी में हो रही देरी से नाराज आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता ने सोमवार को बैतूल में प्रदर्शन करते हुए सामूहिक मुंडन कराया।

आरोप है कि पुलिस इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी में देरी कर रही है, इसकी वजह, भाजपा नेताओं का पुलिस पर पड़ रहा दबाव है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयुक्त सचिव अजय सोनी के नेतृत्व में दो दर्जन से ज्यादा पदाधिकारी और कार्यकर्ता शिवाजी चौक पर जुटे, यहां उन्होंने विरोध प्रदर्शन करते हुए इस मामले में देरी के लिए भाजपा नेताओं का संरक्षण और पुलिस की उदासीन कार्यप्रणाली को जिम्मेदार ठहराया। अजय सोनी ने कहा कि रविन्द्र देशमुख की आत्महत्या के 15 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक सिर्फ दो आरोपियों की ही गिरफ्तारी हो पाई है। बाकी के प्रमुख आरोपी, जिनमें भाजपा नेता रंजित सिंह और प्रकाश शिवहरे शामिल हैं, आज भी फरार हैं। पुलिस प्रशासन की कार्रवाई धीमी होने के कारण यह मामला अब तक सुलझा नहीं है। इसी विरोध में वे सभी मुंडन करवाकर अपना विरोध दर्ज करवा रहे हैं। अजय सोनी ने बताया कि आम आदमी पार्टी इस मामले को लेकर गंभीर है और यदि जल्द से जल्द सभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो पार्टी बड़ा आंदोलन छेड़ेगी।

विधायक ने की खिलाड़ी बालिकाओं से मुलाकात

खिलाड़ियों के लिए फुटबॉल किट देने की घोषणा

बैतूल। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने राज्य स्तर पर 14 वर्षीय बालिका फुटबॉल टीम द्वारा राज्य चैंपियनशिप प्राप्त करने एवं नर्मदापुरम संभाग का प्रतिनिधित्व कर रही इस टीम के अधिकांश बच्चे बैतूल जिले के ग्राम टेमनी एवं अन्य शालाओं से होने पर इन बच्चों को विधायक से मिलवाया गया। विधायक द्वारा इन बच्चों से चर्चा कर राज्य स्तर पर उनके द्वारा किए गए प्रदर्शन के साथ उन्हें उनकी आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली गई। बच्चियों द्वारा उन्हें समस्याओं से अवगत कराया गया। विधायक ने नर्मदापुरम संभाग का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम के सभी खिलाडि़यों, ग्राम टेमनी के अन्य आयु वर्ग के बालक बालिकाओं के लिए फुटबॉल किट, फुटबॉल के जूते प्रदान किए जाने की घोषणा की गई। विधायक ने अभ्यास के लिए लगने वाली फुटबॉल एवं अन्य सामग्री भी प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया। बालिकाओं के साथ उनके कोच एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा विधायक को साधुवाद प्रेषित करते हुए उम्मीद जाहिर की। गौरतलब रहे कि 68 वीं राज्य स्तरीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 14 से 18 अक्टूबर तक खालवा जिला खंडवा में किया गया था। जिसमें नर्मदापुरम संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए बैतूल जिले की टेमनी माध्यमिक शाला की बालिकाओं द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर चैंपियन ट्रॉफी अर्जित की गई। उल्लेखनीय है कि नर्मदा पुरम संभाग की 14 वर्ष बालिका टीम में चयनित बच्चों में से आठ बालिकाएं माध्यमिक शाला टेमनी, दो बालिकाएं हाई स्कूल सदर एवं एक बालिका उमावि टिकारी विद्यालय की हैं।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

बैतूल। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर सोमवार को पुलिस लाइन बैतूल में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी गई तथा शहीदों के परिजनों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक निश्चल एन झारिया द्वारा शहीद जवानों के नाम का वाचन किया गया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक श्री झारिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी, एसडीओपी सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने देश की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीद पुलिसकर्मियों की शहादत को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्री झारिया ने कहा कि आज के दिन लद्दाख के हार्ट स्प्रिंग क्षेत्र में देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए जीवन का बलिदान देने वाले सीआरपीएफ के 10 जवानों ने शहादत पाई थी। उनकी शहादत के कारण ही हमारी सीमाएं सुरक्षित रही। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में पुलिस विभाग द्वारा इन शहीदों की स्मृति में बलिदान दिवस आयोजित किया गया।

आरएसएस का जन संवाद कार्यक्रम संपन्न

बैतूल। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का वियजदशमी उत्सव जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ नगर बैतूल मुख्य वक्ता क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख ओमप्रकाश सिसोदिया, जिला संघ चालक खेमराज डदोरे, नगर संघ चालक संजय गिरोरे, जिला प चारक शिवम ग्वाल विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये, वहीं बड़ी संख्या में जन सामान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बालाजी इंस्टिट्यूट के विद्यार्थियों ने बनाया ऑटोमेटिक नॉइस मॉनिटरिंग सिस्टम, दिल्ली में मिला सम्मान

बैतूल। श्री बालाजी इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंजीनियरिंग विभाग के चार विद्यार्थियों चिन्मय जोशी, दीक्षा वरवड़े, रजनी हार्ले और हार्दिक सूर्यवंशी ने राष्ट्रीय स्तर की इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट प्रतियोगिता में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। इन विद्यार्थियों ने अपने विभागाध्यक्ष डॉ. धिरेन्द्र देवडे के मार्गदर्शन में ऑटोमेटिक नॉइस लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम यूजिंग रास्पबेरी पाई प्रोजेक्ट बनाया था, जो वातावरण में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने में सहायक है। इस प्रोजेक्ट के माध्यम से विद्यार्थियों ने ध्वनि प्रदूषण की निगरानी करने के लिए एक स्मार्ट सिस्टम विकसित किया, जो अत्यधिक ध्वनि को पहचान कर उसे नियंत्रित कर सकता है। दिल्ली में आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को डॉक्टर ए.पी.जे. अब्दुल कलाम फाउंडेशन द्वारा सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में दिल्ली विधानसभा के स्पीकर राम विलास गोयल की उपस्थिति में सभी विद्यार्थियों और उनके मार्गदर्शक प्राध्यापक को सम्मानित किया गया। इस प्रोजेक्ट के सफल नेतृत्व के लिए महाविद्यालय के प्रोफेसर निलेश मिश्रा ने छात्र दल का मार्गदर्शन किया, जिससे यह प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक पूरा हुआ। इस बड़ी उपलब्धि पर श्री बालाजी इंस्टिट्यूट के प्राचार्य डॉक्टर पीजे शाह और डायरेक्टर ऋषिराज सिंह परिहार ने सभी विद्यार्थियों और प्राध्यापकों को बधाई देते हुए उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि संस्थान के लिए गर्व का विषय है और इस प्रकार के इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स से छात्रों को अपनी तकनीकी क्षमताओं को विकसित करने का अवसर मिलता है, उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का भी मौका मिलता है।

भौरा के फॉरेस्ट कॉलोनी में टूटी नाली से बढ़ी परेशानी

एंबुलेंस और गैस सिलेंडर की गाड़ी भी नहीं पहुंच पा रही

बैतूल/भौरा। भौरा नगर के फॉरेस्ट कॉलोनी स्थित रिंकू सरदार के साइड रोड पर बनी नाली का स्लैब टूट जाने के कारण स्थानीय निवासियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यहां फोर व्हीलर वाहनों का आवागमन बाधित हो गया है, जिससे मोहल्ले के लोगों को रोजमर्रा की सुविधाओं से भी वंचित रहना पड़ रहा है। दो दिन पहले गैस सिलेंडर की आपूर्ति करने आई एजेंसी की गाड़ी भी इस संकरी और टूटी सडक़ में फंस गई, जिसे निकालने के लिए स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत की। अंतत~ कई प्रयासों के बाद गाड़ी मोहल्ले के अंदर पहुंच पाई। इस घटना ने न केवल निवासियों की दिक्कतों को उजागर किया, बल्कि यह भी दर्शाया कि मूलभूत सुविधाओं तक पहुंचने के लिए भी लोगों को किस हद तक संघर्ष करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी ओमप्रकाश कावडक़र ने बताया कि इस समस्या को लेकर पंचायत में कई बार शिकायत की गई, लेकिन अब तक किसी भी तरह का समाधान नहीं निकाला गया। उन्होंने बताया कि टूटी नाली के चलते आपातकालीन सेवाओं का आना-जाना भी मुश्किल हो गया है। अगर किसी गंभीर स्थिति में एंबुलेंस की जरूरत पड़े तो उसका पहुंचना असंभव हो सकता है। मोहल्ले के लोग हुए चिंतित -फॉरेस्ट कॉलोनी के निवासियों में इस स्थिति को लेकर भारी आक्रोश और चिंता है। स्थानीय निवासी महिला किरण मासकोले ने बताया, यहां रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी बाहर से आने वाली गाडियां फंस जाती हैं। हम सभी मोहल्ले के बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चिंतित हैं, क्योंकि इस टूटे लेटर के कारण कोई भी दुर्घटना हो सकती है। स्थानीय निवासियों ने ग्राम पंचायत प्रशासन से अपील की है कि जल्द से जल्द इस टूटे स्लैब को सही किया जाए और नाली की मरम्मत कराई जाए, ताकि आने-जाने में आसानी हो सके और कोई अप्रिय घटना न हो। निवासियों का कहना है कि पंचायत को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और ऐसे प्रयास करने चाहिए जिससे मोहल्ले की परेशानी दूर हो सके।

इनका कहना –

हमने इस समस्या को लेकर अपने वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दे दी है। इंजीनियर द्वारा जल्द ही मौके का निरीक्षण किया जाएगा और उसके बाद जो भी संभव होगा, उसे प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

– राजेश उईके,
सचिव, ग्राम पंचायत भौरा

मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत खाद्य विभाग ने लिए 22 सैंपल

बैतूल। कलेक्टर श्री नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों का विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों से सैंपल लिए जाने की कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन श्री शैलेंद्र बड़ोनिया के मार्गदर्शन में सोमवार को मुलताई, आठनेर तथा आमला में स्थित होटल तथा दुकानों का औचक निरीक्षण कर 22 सैंपल लिए गए। इस दौरान प्रतिष्ठानों, दुकानों के लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन की भी जांच की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने निरीक्षण में संचालकों को रख-रखाव की समझाइश दी।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री संदीप पाटिल द्वारा आमला तहसील की दुकान से दही के 1, घी के 1, नमकीन के 2 तथा लड्डू के 2 इस प्रकार कुल 6 सैम्पल लिए गए। मुलताई तहसील से शशि भारतीय ने चॉकलेट के 1, दूध के 1, नमकीन के 1, लड्डू के 1, सोनपापड़ी के 1 तथा मिठाई के 4 इस प्रकार कुल 10 सैम्पल लिए। आठनेर तहसील से मीना कुमरे ने बादाम बर्फी के 1, किशमिश के 1, पेड़ा के 1, नमकीन के 2 तथा सोयाबीन तेल के 2 इस प्रकार कुल 6 सैम्पल लिए। लिए गए सैंपल खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जाएंगे तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

चलित दीनदयाल रसोई योजना में सिर्फ मजदूर चौराहे पर ही कराया जा रहा है भोजन, रविवार को रहती है छुट्टी

देवास। जरूरतमंदों को भोजन की तलाश में इधर-उधर भटकना नहीं पड़े इसके लिए शहर के प्रमुख चौराहा पर प्रदेश सरकार के द्वारा पंडित दीनदयाल चलित रसोई योजना प्रारंभ की गई है। इसके अंतर्गत 5 रुपए में भोजन दिया जाता है। इसमें 10 रुपए शासन की ओर से मिलाए जाते हैं।

योजना के प्रारंभ में कहा गया था कि यह चलित भोजन का वाहन शहर के प्रमुख स्थानों पर नियमित रूप से भोजन की सुविधा उपलब्ध कराएगा, लेकिन यह वाहन सभी जगह नहीं पहुंच रहा है। इसे लेकर कांग्रेस ने आवाज उठाई है।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोज राजानी व कार्यकारी अध्यक्ष प्रवक्ता सुधीर शर्मा ने बताया कि

यह वाहन शुरुआत में जिला अस्पताल, बस स्टैंड, मजदूर चौराहा सहित अनेक चौराहों पर पहुंचता था। इससे जरूरतमंद को 5 रुपए में भरपेट भोजन मिलता है। वर्तमान में 5 रुपए में दाल-सब्जी, चावल, चार रोटी दी जा रही है।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री राजानी व कार्यकारी अध्यक्ष प्रवक्ता श्री शर्मा ने बताया कि दीनदयाल रसोई योजना के अंतर्गत चलने वाला वाहन रोजाना सिर्फ मजदूर चौराहे पर ही पहुंचता है बाकी अन्य स्थानों पर नहीं पहुंच रहा है। कुछ मजदूरों को भोजन करवाने के पश्चात वहां से चला जाता है। वही रविवार के दिन छुट्टी रहने के कारण चलित भोजनालय का वाहन मजदूर चौराहे पर भी भोजन लेकर नहीं आता है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि दीनदयाल रसोई योजना के अंतर्गत चलित वाहन के माध्यम से जो भोजन दिया जा रहा है वह तो ठीक है, लेकिन भोजन का वाहन जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पा रहा है। शहर में और भी चौराहे एवं स्थान है जहां पर भोजन का वाहन जाएगा तो लोगों को सस्ता भोजन मिलेगा। वहीं इस योजना का लाभ भी लोगों तक पहुंचेगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जिस समय चलित भोजनालय का शुभारंभ किया गया था तब कहा गया था कि बस स्टैंड, जिला चिकित्सालय, मजदूर चौराहा सहित अन्य स्थानों पर नियमित रूप से वाहन के माध्यम से भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। वर्तमान में एक ही जगह पर कुछ देर रुककर चलित भोजनालय का वाहन चला जाता है। कांग्रेस नेताओं ने मांग करते हुए कहा कि हमारा अनुरोध है कि चलित भोजनालय का कार्य क्षेत्र बढ़ाया जाए।

संक्षिप्त समाचार

खनिज के अवैध परिवहन में शामिल डंपर और ट्रैक्टर जब्त

हरदा (निप्र)। जिले मे खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के रोकथाम की कारवाई कलेक्टर श्री आदित्य सिंह के निर्देशन मे लगातार जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार को खनिज अमले द्वारा टिमरनी तहसील अन्तर्गत रेत के अवैध उत्खनन एवम परिवहन की जांच की गई। जांच के दौरान सन्तोष पिता डालू द्वारा गंजाल नदी से रेत का अवैध उत्खनन किया जाना पाया गया। मौके पर उनके जान डियर ट्रेक्टर नम्बर एमपी 47 एएच 5551 को रेत से भरा पाया गया जिसे बिना अनुमति उत्खनन किए जाने से जप्त कर थाना टिमरनी में खडा करवाया गया है। इसके अलावा हरदा से इन्दौर रोड पर डम्पर नम्बर आरजे 09 जीडी 6289 को मुरम का ओव्हर लोड परिवहन करने के कारण चालक दीपक पिता ओमप्रकाश शर्मा निवासी रातातलाई से जप्त कर थाना सिविल लाइन हरदा मे खडा किया गया है।

बुधनी विधानसभा उप निर्वाचन के नामांकन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर

सीहोर (निप्र)। बुधनी विधानसभा उप निर्वाचन के नामांकन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर 2024 निर्धारित है। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 28 अक्टूबर को की जाएगी तथा नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2024 निर्धारित है। मतदान 13 नवम्बर 2024 को होगा तथा मतगणना 23 नवंबर 2024 को की जाएगी।

तम्बाकू बेचने वाले 18 दुकानदारों पर 3200 रूपये जुर्माना लगाया

हरदा (निप्र)। जिले में तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत अधिकारियों की टीम लगातार स्कूल कॉलेजो के आसपास भ्रमण कर तम्बाकू के उत्पाद बेचने वाले दुनानदारों पर कार्यवाही कर रही है। कार्यक्रम के नोडल डॉ. पीयूष दोगने ने बताया कि शुक्रवार को हरदा सिटी कोतवाली थाना और स्वास्थ विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से चालानी कार्यवाही कर 18 दुकानदारों पर 3200 रूपय जुर्माना वसूल किया। टीम ने शासकीय शिक्षण संस्थानों के पास तम्बाकू बेचने वालो पर जुर्माना लगाया। कार्यवाही के दौरान स्वास्थ विभाग के जिला नोडल अधिकारी डॉ. पीयूष दोगने व थाना हरदा की टीम उपस्थित थी।

खेड़ी सावलीगढ़ की मिठाई दुकानों से खाद्य विभाग ने लिए 12 सैंपल

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों का विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों से सैंपल लिए जाने की कार्रवाई की जा रही है। अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन श्री शैलेंद्र बड़ोनिया के मार्गदर्शन में शनिवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री संदीप पाटिल ने टीम के साथ ग्राम खेड़ी सांवलीगढ़ में स्थित होटल और दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतिष्ठानों, दुकानों के लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन की भी जांच की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने निरीक्षण में संचालकों को रख-रखाव की समझाइश दी। खबर लिखे जाने तक खाद्य विभाग के अधिकारियों ने खोआ के 6 और मिठाई के 6 इस तरह कुल 12 सैंपल लिए। लिए गए सैंपल खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जाएंगे तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही की जाएगी। दरअसल मिलावट से मुक्ति अभियान एवं आगामी त्योहारों के मद्देनजर प्रशासन के द्वारा यह पूरी कवायद की जा रही है। जिससे आगामी त्योहारों में लोगों को शुद्ध मिठाइयां और खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो सके।

खंडहर हो रही..

विरासत की धरोहर बचाने की उम्मीद अब राज्यसभा सांसद के भरोसे

नर्मदापुरम। जिला मुख्यालय पर आला अधिकारियों के लिए चुनौती बना ब्रिटिश शासन का सन् 1901 में बनाया आफिसर्स क्लब जमींदोज होने की कगार पर पहुंच गया है, जबकि अतीत की इस प्राचीन ऐतिहासिक विरासत को सहेजने कोई आगे नहीं आया, प्रशासन, स्वंयसेवी संगठन द्वारा नजर अंदाज किए जाने से इस अंग्रेजी वास्तुकला वाले भवन को समय पर जीर्णोद्धार कर बचाया जा सकता था.. देखा जाए तो नर्मदापुरम की ऐतिहासिक धरोहरों को बचाने या उन्हें सहेजने को लेकर किसी को कोई दिलचस्पी नहीं हां अगर कोई दिलचस्पी नजर आती है तो वह भू-माफियाओं की, जो इन ऐतिहासिक धरोहर के नष्ट होने की प्रतीक्षा में दिखाई देते हैं। आफीसर्स क्लब उनमें से एक है तत्कालीन कलेक्टर निशांत बरबड़े की साफगोई के कारण जो बच पाया। लेकिन इस ऐतिहासिक धरोहर की मरम्मत और बचाने तक के लिए क्लब के सचिव रहे सुधीर बिष्ट के बाद फिर कोई आगे नहीं आया। मुख्यालय पर अद्भुत वास्तुकला के वास्तुकार ने इस भवन को ठंडा रखने के लिए तश्मा युक्त कवेलू की छत, बड़े बड़े रोशनदान, मोटी दीवारें , नीव में जलभराव कर भवन को पाश्चात्य शैली में षटकोणीय आकार में ढाला था। कहा जाता है ब्रिटिश कलेक्टर अपने आवास से हेट लगाकर कलेक्ट्रेट जाने के लिए अपने बंगले से निकल कर पश्चिम दिशा में स्थित जब सूर्य पीठ के पीछे रहे क्लब में प्रवेश कर कुछ समय व्यतीत करके क्लब के पीछे बने द्वार के गेट से कलेक्ट्रेट पहुंच कर शाम को पूर्व दिशा की और बने क्लब की और प्रस्थान करते उस

समय सूर्य पीठ पीछे रहता था, शायद यह सूर्य की सीधी किरणों से गोरी चमड़ी के बचाव और गर्मी से निजात पाने का वैज्ञानिक प्रबंधन होता था, किंतु अफसोसजनक है कि किसी ने भी इसकी सुध नहीं ली कतिपय स्वार्थी तत्वों की इससे लगी बेशकिमती भूमि पर नजरें गड़ी है

क्लब की अस्मिता बचाने के लिए जनभागीदारी से जनप्रतिनिधियों को पूर्व में भी अवगत कराया गया, लीज/पट्टे नवीनीकरण का राजस्व मामला हाईकोर्ट में लंबित बताया जाता है। इस मामले में प्रशासन और आफिसर्स क्लब की भंग समिति की उदासीनता से न्यायालय में प्रकरण पर कार्रवाई लंबित हो रही है। वर्षा होने से क्लब की दीवारें भरभरा कर गिर रही है।

अनाधिकृत रुप से रह रहे व्यक्ति के परिवार को भी जानमाल का खतरा है। फिर भी वह वहां से टस से मस नहीं हो रहा..? जो मंथन का विषय है..? मुख्यालय पर ब्रिटिश सरकार की धरोहर जिला प्रशासन/ नगरपालिका प्रशासन /लोकनिर्माण विभाग/ पुरातत्व विभाग/ खेल विभाग कोई भी आगे आकर इस अनाथ भवन का दत्तक ग्रहण कर पुनर्निर्माण कर संरक्षित करें, तो घोषित पर्यटन नगरी के मानचित्र पर यह पर्यटकों के लिए म्यूजियम बना कर दर्शनीय और लोकप्रिय स्थल बनाया जा सकता है। इस ओर स्थानीय जनप्रतिनिधियों से उम्मीद न के बराबर की जा सकती है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी ने जमीन से जुड़ी महिला नेत्री श्रीमती माया नारोलिया को राज्यसभा सदस्य बनाकर राजनीतिक फर्श से अर्श पर पहुंचाया उनसे पुरानी धरोहर बचाने के मामले में नगरवासी कम-से-कम उम्मीद तो कर ही सकते हैं।

एम.पी. ट्रांसको के पिंटू यादव ने अंतर क्षेत्रीय विद्युत कुश्ती स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता

देवास/मोहन वर्मा। उज्जैन में आयोजित अंतर क्षेत्रीय विद्युत कुश्ती प्रतियोगिता में एम.पी. ट्रांसको (मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) के पिंटू यादव ने स्वर्ण पदक जीतकर मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता में जबलपुर क्षेत्र की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए पिंटू यादव ने 65 किलो भार वर्ग में भोपाल के पहलवान को जोरदार तरीके

से दांव ढाक मारकर चित कर गोल्ड मेडल हासिल किया। ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस जबलपुर संभाग में पदस्थ पिंटू यादव ने पिछले वर्ष भी इसी स्पर्धा का स्वर्ण पदक हासिल किया था। पिंटू यादव पिछले चार वर्षो से लगातार इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतते चले आ रहे हैं। जबलपुर क्षेत्र की टीम के मैनेजर केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद जबलपुर के कुश्ती प्रभारी श्री संजय सिंह (सुरक्षा अधिकारी) थे। पिंटू यादव की इस उपलब्धि पर एम.पी. ट्रांसको के प्रबंध संचालक इंजीनियर सुनील तिवारी ने विजेता पिंटू यादव से भेंट कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

अमृत स्टेशन योजना के तहत देवास रेलवे स्टेशन का स्वरूप बदला

देवास। भारतीय रेलवे के अंतर्गत अमृत स्टेशन योजना रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प के लिए वरदान साबित हो रही है। रतलाम मंडल में वर्तमान में 19 रेलवे स्टेशनों पर अमृत स्टेशन योजना के तहत उन्नयन का कार्य किया जा रहा है। इन स्टेशनों में 2 गुजरात, 2 राजस्थान एवं 15 रेलवे स्टेशन मध्य प्रदेश में स्थित है।अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत उन्नयन हेतु देवास जंक्शन रेलवे स्टेशन भी शामिल है जहाँ कई महत्वपूर्ण कार्य को पूर्ण कर लिया गया है। तथा कुछ कार्य प्रगति पर हैं।

देवास रेलवे स्टेशन पर लगभग रु 29.67 करोड़ की लागत से उन्नयन कार्य किये जा रहे हैं। यात्री सुविधा एवं स्टेशन भवन की सुंदरता के लिए किये गये कार्यों के तहत सर्कुलेटिंग एरिया, स्टेशन भवन का फसाड एवं प्रवेश द्वार पर पोर्च का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। रेलवे स्टेशन भवन के फसाड का निर्माण आधुनिक स्टेशन को ध्यान में रखकर किया गया है जिससे स्टेशन भवन की भव्यता को आकर्षक बनाया जा सके। इसके साथ ही स्टेशन पर प्रतीक्षालय के इंटेरियर में भी काफी बदलाव किया गया है जो आधुनिक स्टेशन के परिदृश्य को परिलक्षित करता है। धूप एवं वर्षा से बचाव के लिए प्लेटफार्म पर अतिरिक्त प्लेटफार्म कवर शेड का निर्माण, प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 को चौड़ा कर उसके सतह में सुधार के साथ ही यात्रियों के बैठने के लिए अतिरिक्त बेंचेज एवं वाटर फाउंटेन यात्रियों के लिए काफी उपयोगी साबित होंगे।

प्लेटफार्म पर नये टायलेट ब्लॉक का निर्माण एवं पूर्व से उपलब्ध टायलेट ब्लॉक का सुधार कर उसे आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया गया है। स्टेशन परिसर में दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों एवं ऑटों के लिए अलग-अलग पार्किंग के साथ ही स्टेशन परिसर में प्रवेश एवं निकास के लिए अलग-अलग मार्ग का निर्माण किया गया है।

भारतीय रेलवे दिव्यांगजनों की सुविधाओं के लिए दृढ़संकल्पित है इस हेतु देवास रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म पर अलग से टायलेट, कम ऊँचाई के वाटर फाउंटेन, सर्कुलेटिंग एरिया में दिव्यांगजनों के लिए अलग से पार्किंग, गाइडिंग टाइल्स के साथ स्टैंडर्ड रैंप की सुविधा तथा बुकिंग विंडो, इन्क्वायरी एवं प्लेटफॉर्म तक जाने के लिए गाइडिंग टाइल्स लगाये जा रहे हैं।

देवास जंक्शन रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध किये जा रहे महत्वपूर्ण यात्री सुविधाओं में 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज का कार्य भी काफी महत्वपूर्ण है जिसमें लिफ्ट की सुविधा भी उपलब्ध होगी। यह कार्य भी प्रगति पर है।

देवास रेलवे स्टेशन रतलाम मंडल के इंदौर-उज्जैन दोहरीकृत रेल खंड पर स्थित एक महत्वपूर्ण स्टेशन है। यह स्टेशन बैंक नोट प्रेस के लिए पूरे भारत में प्रसिद्ध है। देवास स्टेशन से कुछ दूरी पर स्थित चामुंडा माता मंदिर देवास तथा आस-पास के लोगों के लिए आस्था का एक महत्वपूर्ण केन्द्र है। देवास रेलवे स्टेशन का उन्नयन कार्य पूर्ण होने के उपरांत आधुनिक, आकर्षक एवं अद्यतन यात्री सुविधाओं से युक्त नये भारत का नया स्टेशन के रूप में अपनी पहचान बनाएगा।

ग्राम पंचायत डिंडोली में हर घर नल से जल पहुंचा प्रत्येक घर में शुद्ध पेयजल की सुविधा मिली

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के गजंबासौदा विकास खण्ड की ग्राम पंचायत डिंडोली में 235 परिवार निवासरत हैं। इस ग्राम में जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल योजना के निर्माण से पहले ग्रामीणों को पेयजल के लिए बहुत परेशानियां होती थी। ग्रामीण महिलाओं को पेयजल के लिए परेशान होना पड़ता था और दूरस्थ क्षेत्रों में जाकर हैण्डपंपों से पानी लाना पड़ता था। पानी के लिए उन्हें अधिकांश समय देना पड़ता था। जल जीवन मिशन एवं प्रधानमंत्री जनमन कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम डिंडोली की नलजल योजना से पूरे ग्राम एवं विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह की सहरिया जाति के लगभग 27 परिवारों को नलजल योजना से समस्त घरों में घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल

प्रदाय हो रहा है, जिससे उनके जीवन में सुधार आया है। जो समय ग्रामीण महिलाएं पहले पेयजल व्यवस्थाओं को जुटाने के लिए उपयोग करती थी, अब उसी समय को बचाकर घर के कामों एवं बच्चों की पढ़ाई में लगाती है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्राम डिंडोली में नलजल योजना से समस्त ग्रामीणों को उन्हीं के घर पर नल के माध्यम से पानी पहुंचाया जा रहा है। नलजल योजना से सतत् प्रर्याप्त एवं शुद्ध पेयजल हेतु ग्राम पेयजल समिति का गठन किया गया है, जो कि ग्राम की नलजल योजना का संचालन एवं का देखरेख करती है। साथ ही योजना के संचालन संधारण हेतु ग्रामवासियों से जलकर भी वसूल कर रही है। ग्राम में नलजल योजना से जलप्रदाय की शुद्धता की जाँच हेतु 5 महिलाओं की जल सतर्कता निगरानी समिति बनाई गयी है, जिससे पेयजल की जांच समय-समय पर होने से ग्रामवासियों को जलजनित बीमारियों से निजात मिली है। जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्राम डिंडोली की नलजल योजना एक आदर्श नलजल योजना है जिसने ग्रामवासियों के जीवन स्तर को आर्थिक सामाजिक एवं स्वास्थ्य स्तर पर मजबूती दिलायी है एवं एक सफल योजना के रूप में स्थापित हुई है।

अतिक्रमण हटाने के मुहिम में विदिशा जिला चौथे स्थान पर काबिज

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा विदिशा जिले को अतिक्रमण मुक्त बनाए जाने की दिशा में कार्य किये जा रहे हैं जिसके फलस्वरूप विदिशा जिला प्रदेश में अतिक्रमण हटाने के मामले में चौथे स्थान पर है जिले में दर्ज प्रकरणों का निराकरण करते हुए 92.99 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशन में विदिशा जिले की सभी 12 तहसीलों त्यौंदा, शमशाबाद, पठारी, ग्यारसपुर, गुलाबगंज, नटेरन, लटेरी, विदिशा शहरी, विदिशा ग्रामीण, सिरोंज, कुरवाई और बासौदा में शासकीय चरनोई भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। इन सभी 12 तहसीलों में चिन्हित किए गए 279 ग्रामों में खसरा संख्या 310 के 345.89 हेक्टेयर रकबा में से खसरा संख्या 247 में 241.968 रकबा हेक्टेयर में अतिक्रमण हटाए जाने की कार्रवाई की गई है। जिसका बाजार मूल्य 28 करोड़ 17 लाख 35हजार 942 आंकलित किया गया है। चरनोई भूमि से हटाए गए अतिक्रमण की तहसीलवार जानकारी तदानुसार त्यौंदा तहसील के खसरा नं. 2 की 4.747 हेक्टेयर रकबा भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य 40 लाख रुपये आंकलित किया गया है। इसी प्रकार शमशाबाद तहसील के खसरा नंबर 6 की 59.858 रकबा हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य 13 करोड़ 47 लाख रुपए है। पठारी तहसील के खसरा संख्या 01 की 2.508 रकबा हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया जिसका बाजार मूल्य 20 लाख रुपए है। ग्यारसपुर तहसील के खसरा संख्या 20 की 5.981 रकबा हेक्टर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य 61 लाख 2000 रुपये है।

गुलाबगंज तहसील के खसरा संख्या 86 की 27.899 रकबा हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य एक करोड़ 70 लाख 56 हजार 205 रुपए है। नटेरन तहसील के खसरा नंबर 34 की 23.957 रकबा हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य 2 करोड़ 3 लाख 50000 है। लटेरी तहसील के खसरा नंबर 3 की 2.186 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य 24 लाख 4 हजार 600 है। विदिशा शहरी क्षेत्र के खसरा नंबर 01 की 0.91 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया। जिसका बाजार मूल्य 41 लाख 40 हजार 500 है। विदिशा ग्रामीण क्षेत्र के खसरा संख्या 39 की 44.39 रकबा हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य 4 करोड़ 73 लाख 19 हजार 737 है।

सिरोंज तहसील क्षेत्र के खसरा नंबर 7 की 12.917 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य 90 लाख रुपए आंकलित किया गया है तथा कुरवाई तहसील के खसरा संख्या 23 की 43.87 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य 3 करोड़ 1 लाख 60 हजार 900 है एवं बासौदा तहसील के खसरा नंबर 25 की 12.745 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया है जिसका बाजार मूल्य 45 लाख 2 हजार रुपये आंकलित किया गया है। इस प्रकार जिले में चरनोई भूमि से अतिक्रमण हटाए जाने की कार्यवाही में कुल 28 करोड़ 17 लाख 35 हजार 942 रुपये बाजारू मूल्य की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने की कार्रवाई संपादित की गई है। विदिशा जिले में हुई इस संपूर्ण कार्रवाई को निर्विघ्न रूप से अंजाम देने में सभी एसडीएम, तहसीलदार, पुलिस बल सहित अन्य राजस्व अधिकारियों तथा वन क्षेत्र के अमले का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

‘घर बैठे भरपूर स्वच्छ जल मिलने से रूपी परेटिया के ग्रामीणजन अब बहुत खुश हैं’

हरदा (निप्र)। हरदा ब्लॉक की ग्राम पंचायत रन्हाई कला के ग्राम रूपी परेटिया के ग्रामीणजन अब बहुत खुश हैं, क्योंकि उनके गांव के हर-घर में नल से जल जो मिलने लगा है। गांव की महिलाएं पानी की शुद्धता का परीक्षण करना सीख गई हैं, और ग्रामीण जन प्रतिमाह 100 रुपए नल जल योजना के संधारण के लिए नियमित रूप से जमा भी करते हैं। स्थानीय ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि उनके घर पर्याप्त पानी आता है इसलिए वह हर माह 100 रुपए देने को हमेशा तैयार रहती हैं।

जब गांव में पीएचई विभाग के सचिव श्री पी. नरहरि पहुंचे, तो स्थानीय ग्रामीण महिलाओं ने खुशी - खुशी उन्हें बताया कि गांव में अब पानी की कोई कमी नहीं है, और शुद्ध पानी मिलने से अब गांव में पहले की तरह डायरिया और पीलिया जैसे बीमारियां भी नहीं होती हैं। ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि इस वर्ष जनवरी माह से गांव में नल जल योजना शुरू हो गई थी, और अप्रैल माह से सभी 125 परिवार नियमित रूप से 100 रुपए हर महीने जमा करने लगे हैं। यदि कोई ग्रामीण किसी माह राशि जमा नहीं कर पाता है तो वह अगले महीने राशि जमा कर देता है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि पेयजल योजना में कोई भी खराबी आने पर उसका सुधार कार्य इस जमा राशि से ही कर लिया जाता है। पेयजल योजना में कोई खराबी आ जाने पर, उसे सुधारने के लिए मैकेनिक गांव में ही रहता है ।

स्थानीय ग्रामीणों को इस संबंध में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा प्रशिक्षण दे दिया गया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव श्री नरहरि के समक्ष गांव के अन्नपूर्णा महिला स्वसहायता समूह की महिलाओं ने इस बात पर सहमति दी कि वे घर घर जाकर नलजल योजना के 100 रुपए प्रतिमाह का अंशदान जमा कराएंगी। पी एच ई विभाग के अधिकारियों ने इस अवसर पर बताया कि जमा राशि में से लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा स्व सहायता समूह की महिलाओं को वापस मिलेगा जिससे समूह की महिलाएं आर्थिक रूप से सक्षम बनेगी।

महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता में मंत्रालय में महिला वित्त विकास निगम की 79वीं संचालक मंडल की बैठक हुई।

हिम्मत और पराक्रम से भरे हैं, मध्यप्रदेश पुलिस के सशक्त कदम हर मुसीबत से बड़े हैं : सीएम डॉ. यादव

देशभक्ति और जनसेवा के ध्येय वाक्य के साथ दिन-रात जनता की सेवा में तत्पर है पुलिस

- **मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने उज्जैन पुलिस स्मृति दिवस पर वीर शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर किया नमन**

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन उज्जैन में कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को देश की आन्तरिक सुरक्षा, एकता, अखण्डता के लिये अपने प्राणों की आहुति देकर कर्तव्य-परायणता का अनूठा उदाहरण देने वाले शहीद पुलिसकर्मियों की स्मृति में पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। पुलिस देशभक्ति और जनसेवा के ध्येय वाक्य के साथ दिन-रात जनता की सेवा में तत्पर रहते हुए अपने प्राणों का उत्सर्ग कर देती है। ऐसे सभी बलिदानी पुलिसकर्मियों को मैं सैल्यूट करता हूं। पुलिसकर्मी देश की सेवाओं के संचालन में मदद करते हैं और देश की आन्तरिक सुरक्षा में सर्वोच्च योगदान देते हैं। कार्यक्रम में सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री सतीश मालवीय, महापौर उज्जैन श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति उज्जैन श्रीमती कलावती यादव सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कोरोना काल में

कर्तव्य की वेदी पर पुलिस के जवान मुस्तैदी से तैनात रहे। पुलिसकर्मियों के इस अद्वितीय योगदान का स्मरण करते हुए देश-प्रदेश गौरवान्वित महसूस करता है। कोरोना काल में पुलिसकर्मियों, स्वास्थ्यकर्मियों व सफाईकर्मियों के उत्कृष्ट कार्य से देश की आबादी सुरक्षित रही। आजादी से लेकर आज तक ऐसे कई कठिन मौकों पर पुलिसकर्मियों द्वारा अपनी भूमिका को सार्थक सिद्ध किया है। उन्होंने कहा कि 'हिम्मत और पराक्रम से भरें हैं, आपके सशक्त कदम हर मुसीबत से बड़े हैं, आपके शौर्य को नमन, आपके प्रताप को प्रणाम है, आप हमारी शक्ति हैं, मध्यप्रदेश का अभिमान हैं।'

कार्यक्रम में पुलिस जवानों द्वारा परेड प्रदर्शन कर वीर शहीदों को सलामी दी गई। परेड का नेतृत्व रक्षित निरीक्षक श्री रणजीत सिंह ने किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव, जन-प्रतिनिधि और अधिकारियों ने पुष्प-चक्र अर्पित कर वीर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजली अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस दौरान वीर शहीद स्व. लालबहादुर सिंह, स्व. बलराम के परिजन को शॉल, श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने परेड कमांडर से परिचय प्राप्त किया।

आईजी श्री संतोष कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस हमें उन वीर पुलिसकर्मियों की याद दिलाता है, जिन्होंने समाज और देश की रक्षार्थ प्राण न्यौछावर किये हैं। आज से 65 वर्ष पूर्व 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के बर्फीले क्षेत्र हॉटस्प्रिंग में 16 हजार फीट की ऊंचाई पर चीन की सशस्त्र सेना के साथ मुठभेड में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की पेट्रोलिंग पार्टी के 10 जवानों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था। तब से प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है।

तेंदुए ने दबोची एएसआई की गर्दन, युवती की खोपड़ी नोंची, कई जख्मी, तीन गंभीर

शहडोल में पिकनिक मनाने गए थे 50 लोग

शहडोल (नप्र)। शहडोल में तेंदुए ने एएसआई की गर्दन दबोच ली। एक युवती की खोपड़ी का एक हिस्सा नोंच लिया। मामला रविवार शाम खितौली गांव का है। घटना के समय 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे जो पिकनिक मनाने पहुंचे थे। इनमें से कई जख्मी हैं। कुछ को तेंदुए के पंजे से चोट आई है तो कुछ भागने में घायल हुए हैं। तीन की हालत गंभीर है।

तेंदुए को देखकर वहां अफरा-तफरी मच गई। हमले में पुलिस विभाग के एएसआई नितिन समदरिया, शहडोल की पुरानी बस्ती निवासी आकाश कुशवाहा (23) और खतौली गांव की नंदिनी सिंह (25) को गंभीर हाल में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल बोला- अचानक दौड़ता दिखा तेंदुआ- हमले में घायल आकाश कुशवाहा ने बताया, हम लोग करीब 50 लोग पिकनिक मनाने खतौली के शोभाघाट गए थे। जब सभी शाम को खाना पीकर वापस अपनी गाड़ी की ओर बढ़ रहे थे, तभी अचानक तेंदुआ दौड़ता नजर आया। लगा कि तेंदुए इतनी बड़ी संख्या में लोगों देखकर भाग जाएगा। वह कुछ समय के लिए नजरों से ओझल हो भी गया। इसके बाद वह दूसरी ओर से अचानक आया। सबसे पहले मेरे ऊपर अटैक किया। किसी तरह मैं जान बचाकर भागा। इसके बाद एक-एक करके तेंदुए ने कई लोगों पर हमला किया।

कूनो नेशनल पार्क से खुश खबरी

अगले दो-तीन दिन में मां बन सकती है चीता वीरा

श्योपुर/सोहागपुर (नप्र)। कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता वीरा मां बनने वाली है। 4 साल 8 माह की वीरा अगले दो-तीन दिन में मां बन सकती है। भारतीय धरती पर मां बनने वाली वीरा चौथी मादा चीता होगी, क्योंकि इससे पूर्व आशा, गामिनी और ज्वाला शावकों को जन्म दे चुकी हैं। सीसीएफ कूनो उत्तम कुमार शर्मा ने बताया कि वीरा कभी भी मां बन सकती है।

10 माह के हुए आशा के शावक – आशा ने भारतीय धरती पर 26 दिसंबर को तीन शावकों को जन्म दिया था। यह शावक अब दस माह के हो चुके हैं। इसके बाद ज्वाला ने जनवरी में चार शावकों को जन्म दिया। जबकि गामिनी ने इतिहास रचते हुए भारतीय धरती पर छह शावकों को मार्च में जन्म दिया, हालांकि इनमें से दो शावकों की मौत हो चुकी है।

मढ़ई: जंगल सफारी के रास्ते पर तीन शावकों के साथ बैठी बाघिन- सतपुड़ा टाइगर रिजर्व मढ़ई में रविवार को सुबह जंगल की सफारी करने गए सैलानियों को टी-62 बाघिन अपने डेढ़-डेढ़ साल के तीन शावकों के साथ घास में अटखेलियां करते नजर आई। टी-62 बाघिन ने 15 महीने पहले तीन शावकों को जन्म दिया था जिसमें दो मादा व एक नर था तीनों शावक अब बड़े हो गए हैं और शिकार भी करने लगे हैं।

एसडीओ अंकित जामोद ने बताया कि जब शावक 2 साल के हो जाएंगे मां उनसे अलग हो जाएगी। बाघिन और उसके शावकों की निगरानी कराई जा रही है। नर शावक काफी शरारती है, कई बार वह गश्ती दल पर हमला करने की कोशिश करता है।

सूतक में महालक्ष्मी की पूजा की, पुजारी को हटाया

रतलाम में प्रशासन ने 11 घंटे बाद खोला ताला; करोड़ों रुपए से सजता है ये मंदिर

रतलाम (नप्र)। रतलाम के प्रसिद्ध महालक्ष्मी मंदिर में पंडित संजय पुजारी ने सूतक में पूजा की। इसका श्रीमाली ब्राह्मण समाज ने विरोध जताया। विवाद बढ़ता देख रविवार रात को प्रशासन ने मंदिर में ताला लगा दिया। सोमवार सुबह 11 घंटे बाद ताला खोला गया और पंडित संजय को हटाकर सत्यनारायण व्यास को अस्थायी पुजारी नियुक्त कर दिया गया।

शहर के माणक चौक स्थित महालक्ष्मी मंदिर को दिवाली पर करोड़ों रुपए के नोटों और जेवरों से सजाया जाता है। सजावट के लिए नोटों के आने का सिलसिला शुरू हो चुका है। इसी बीच ये विवाद खड़ा हो गया है। पंडित संजय पुजारी से मंदिर में सजावट के लिए आने वाले रुपयों और जेवरों की प्रतिदिन की जानकारी मांगी है।

प्रतिदिन सुबह 6 बजे तक खुलने वाले मंदिर के ताले सोमवार सुबह 8 बजे तक भी नहीं खुले। मंदिर के बाहर श्रीमाली समाज के लोग दर्शन के लिए इंतजार करते रहे। इसके बाद नायब तहसीलदार आशीष उपाध्याय की मौजूदगी में मंदिर का ताला सुबह 8.15 बजे खुला। इसके पहले लोगों ने मंदिर के बाहर पूजा-अर्चना की। पंडित संजय दवे ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा कराई। सुबह तक मंदिर का ताला नहीं खुलने से श्रीमाली ब्राह्मण समाज के लोग बाहर आकर खड़े रहे।

श्रीमाली समाज ने गोमूत्र से शुद्धिकरण किया- श्रीमाली ब्राह्मण समाजजनों ने मंदिर के बाहर पूजा की। पूजा-पाठ करने के बाद गंगाजल और गोमूत्र से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंदिर का शुद्धिकरण किया गया। नायब तहसीलदार उपाध्याय ने बताया कि पूर्व पुजारी की शिकायत को लेकर उन्हें हटाया गया है। उनके स्थान पर अभी एक नए पंडित की अस्थायी रूप से नियुक्ति की गई है। सजावट को लेकर 10:30 बजे मीटिंग होगी, उसके बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल मंदिर खोल दिया गया है।

श्रीमाली ब्राह्मण समाज अध्यक्ष नयन व्यास ने बताया कि महालक्ष्मी मंदिर हमारा है। समाज की सती मां का भी मंदिर में स्थान है। पुजारी को पूर्व में निवेदन किया था कि सूतक में मंदिर में ना जाएं, लेकिन वह नहीं माने। लोगों का कहना है कि पुजारी ने मना करने के बाद भी सूतक में पूजा की।

पुजारी के बड़े भाई के निधन से सूतक

संजय पुजारी के बड़े भाई का इंदौर में निधन हो गया है। परिवार में सूतक होने के बावजूद वह मंदिर में पूजा-अर्चना कर रहे थे। इसको लेकर शहर के श्रीमाली ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों ने आपत्ति जताई थी। रविवार रात को भी समाजजन मंदिर पहुंचे। संजय पुजारी को देखकर उन्होंने हंगामा कर दिया। समाजजनों को कहना था कि नए पंडित को पूजा पाठ नहीं करने दी जा रही है। संजय पुजारी लगातार आ रहे हैं।

दो दिन पहले भी समाजजनों ने प्रशासन को इस बारे में अवगत कराया था। समाजजनों का कहना था कि महालक्ष्मी मां हमारी कुल देवी हैं। विवाद के बाद तहसीलदार ने संजय पुजारी के स्थान पर पूजा पाठ करने के लिए एक अन्य पंडित को अस्थायी रूप से नियुक्त कर दिया है।

लोगों ने पूछा– सजावट की जिम्मेदारी अब कौन लेगा

मंदिर में दीपावली पर्व पर नोटों और आभूषणों से सजावट का कार्य भी जारी है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु रुपए और आभूषण लेकर आ रहे हैं। लोगों ने बताया कि रविवार रात को प्रशासन ने मंदिर में ताला लगा दिया, जिससे सजावट का कार्य भी रुक गया। पुजारी भी बदल दिया। ऐसे में अब मंदिर में सजावट की जिम्मेदारी कौन लेगा। वहीं अब तक जिन लोगों ने रुपए और आभूषण दिए हैं, उनकी देखरेख कौन करेगा। हालांकि, तहसीलदार ने संजय पुजारी को पत्र जारी कर सजावट के लिए प्रतिदिन आने वाले रुपयों और आभूषणों की जानकारी मांगी है। मंदिर में सुरक्षा को लेकर पुलिस जवान भी तैनात किए हैं। तहसीलदार ऋषभ ने पत्र जारी कर सजावट के लिए आने वाले रुपयों व आभूषणों की डिटेल मांगी।

मंदिर की सजावट होगी, पटवारी को किया नियुक्त

तहसीलदार ऋषभ ने मानक चौक क्षेत्र के व्यापारियों और श्रीमाली ब्राह्मण समाज के लोगों के साथ बैठक की, जिसमें पुराने और नए पुजारी उपस्थित रहे। इस दौरान उन्हें विवाद नहीं करने की समझाइश दी गई।

तहसीलदार ठाकुर ने बताया बताया कि मंदिर की सजावट होनी है। इसमें किसी प्रकार की कोई रुकावट नहीं आएगी। मंदिर के पुराने पुजारी के सहयोगी जो सजावट का कार्य कर रहे हैं, वहीं सजावट का कार्य करेंगे।

1 नवम्बर तक पटवारियों की मंदिर में नियुक्ति की गई है. जो कि अलग-अलग टाइम पर मौजूद रहेंगे। उन्हीं की देखरेख में सजावट के लिए आने वाले रुपए और आभूषण लिए जाएंगे। पुराने पुजारी के परिवार में सूतक खत्म होने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर उनके बारे में आगे की प्रक्रिया की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ग्वालियर आए

सिंधिया स्कूल के वार्षिकोत्सव में हुए शामिल ; कहा– इसरो के अध्यक्ष का आना हमारा सौभाग्य

ग्वालियर (नप्र)। सोमवार को एक दिवसीय प्रवास पर केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ग्वालियर पहुंचे। एयरपोर्ट पर उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की सक्रिय सदस्यता ग्रहण की। सिंधिया ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज सिंधिया स्कूल का वार्षिकोत्सव है, और इस अवसर पर इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) के अध्यक्ष का आना हमारा सौभाग्य है।

इसरो के अध्यक्ष सोमनाथ जी ने भारत की प्रगति को न केवल अंतरिक्ष में बल्कि तिरंगे को भी पूरे ब्रह्मांड में पहुंचाने का काम किया है। यह ग्वालियर का सौभाग्य है कि आज ऐसी हस्ती हमारे साथ हैं। वहीं, जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले पर सिंधिया ने कहा कि मैं इस हमले की घोर निंदा करता हूं। जो लोग सोचते हैं कि वे भारत में आतंक का माहौल बना सकते हैं, उन्हें हमारी सरकार प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है। एनआईए की टीम भी पहुंच चुकी है और जांच जारी है।

रीवा एयरपोर्ट मेरा सपना था

रीवा एयरपोर्ट के उद्घाटन पर केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि यह भी एक महत्वपूर्ण दिवस था। प्रदेश में पहले पांच एयरपोर्ट थे, और यह मेरा सपना था। मेरे पिताजी ने रीवा को पहले रेलवे स्टेशन से जोड़ा था और अब यह क्षेत्र भी मुख्यधारा से जुड़ गया है। जब मुझे इस मंत्रालय का प्रभार मिला, तो क्षेत्र के प्रतिनिधि, विशेषकर राजेंद्र शुक्ला जी, कई बार मुझसे मिले। अब रीवा से जबलपुर का सफर कुछ ही समय में पूरा किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रीवा को 100 करोड़ रुपए का नया विमानतल मिला है, और 1800 मीटर का रनवे भी तैयार हो चुका है। एटीआर को आईएफआर सिस्टम के आधार पर संचालित किया जा रहा है, जिससे मौसम खराब होने पर भी विमान लैंड कर सकें। हम एयरपोर्ट को बड़े विमानों के लिए भी तैयार कर रहे हैं। रिकॉर्ड समय में, 20 महीनों में, यह एयरपोर्ट तैयार हो गया है। फरवरी 2023 में भूमि पूजन हुआ था, और अब इसका उद्घाटन हो चुका है। मुख्यमंत्री जी का भी धन्यवाद, जिन्होंने घोषणा की है कि आने वाले समय में हमारे प्रदेश में पांच हवाई अड्डे होंगे और हवाई पट्टियां विकसित की जाएंगी।

महाराष्ट्र– झारखंड के लिए हम तैयार

चुनाव की तारीखों का ऐलान होने पर सिंधिया ने कहा, चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है, और रणभूमि में हम सब जुट चुके हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि जिस तरीके से जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के नतीजे आए हैं, जहां एकतरफा जनता ने भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान किया है, उसी तरह इस बार भी होगा। चाहे हरियाणा में तीसरी बार हमारी सरकार बनी हो या जम्मू-कश्मीर में, जहां इतिहास में भारतीय जनता पार्टी को 29 सीटें मिलीं। वहीं, कांग्रेस पूरी तरह से विफल हो चुकी है, और हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में केवल 6 सीटों पर सिमट कर रह गई है।

भाजपा एक विचारधारा के साथ विकास और प्रगति की दिशा में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आगे बढ़ रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि झारखंड और महाराष्ट्र में भी जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और भारतीय जनता पार्टी को आशीर्वाद प्रदान करेगी।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले पर और फारूक अब्दुल्ला के बयान पर सिंधिया ने कहा, मैं इस हमले की घोर निंदा करता हूं। जो लोग समझते हैं कि वे भारत में आकर आतंक का माहौल बना सकते हैं, उन्हें हमारी सरकार प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तत्पर है। एनआईए की टीम भी पहुंच चुकी है, और तहकीकात चल रही है।

2 घंटे साथ बैठे...फिर नदी में कूदे मां-3 बच्चे

सामूहिक सुसाइड से पहले मोबाइल को फ्लाइट मोड पर डाला, बेटी ने सेल्फी-फोटो क्लिक की

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर के डबरा में मां और तीन बच्चों के सिंध नदी में कूदकर सुसाइड करने की वजह गृह क्लेश सामने आई है। कोई अंदाजा नहीं लगा सका कि परिवार किस कदर तनाव में था। सामूहिक सुसाइड से पहले पूरे परिवार ने धूमेश्वर धाम पर भगवान शिव के दर्शन किए। सिंध नदी के झरने के पास 2 घंटे तक साथ बैठे रहे।

छोटी बेटी ने मोबाइल को फ्लाइट मोड पर डालकर आखिरी सेल्फी ली। इसके बाद मोबाइल बैग में छोड़कर खुदकुशी कर ली। इन सभी पॉइंट की पुष्टि सीसीटीवी कैमरों के फुटेज, छात्रा के मोबाइल के रिकॉर्ड से हुई।

महिला ने सुसाइड नोट में लिखा, पति बीजेपी का कार्यकर्ता होने पर हमें धमकी देता है कि मेरा कोई कुछ नहीं कर पाएगा। मायके से पैसे लेकर आने के लिए मारपीट करता है। कल्याणी गांव की रहने वाली ममता (47), बेटी अंशु उर्फ भावना (21), भूमिका उर्फ भूमि (17) और बेटे किट्टू जाटव (14) ने सुसाइड कर लिया था। 15 अक्टूबर से सभी लापता थे। 16 अक्टूबर को सिंध नदी किनारे बैग में सुसाइड नोट मिला था।

दोपहर 3.30 बजे मंदिर में दर्शन किए, शाम 5.17 बजे ली सेल्फी- तीनों बच्चों और उनकी मां के शव सिंध नदी में मिलने के बाद जब पुलिस ने पड़ताल की तो कई चौंकाने वाली बातें सामने आईं। धूमेश्वर मंदिर के मुख्य गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरों में घटना वाले दिन दोपहर 3.30 बजे ममता और उनकी बेटियां धूमेश्वर धाम मंदिर की सीढ़ियों से दर्शन कर उतरती दिखीं।

सिंध नदी किनारे मिले बैग से भूमि का मोबाइल मिला। उसने शाम 5.17 बजे आखिरी सेल्फी क्लिक की। कुछ फोटो धूमेश्वर मंदिर के सामने नदी किनारे झरने के हैं। मोबाइल के स्क्रीन शॉट में मोबाइल फ्लाइट मोड पर नजर आ रहा है। मतलब मोबाइल नेटवर्क को बंद कर रखा था, जिससे उनकी लोकेशन पुलिस या परिवार तक नहीं पहुंच सके।

चुनरी यात्रा की भीड़ में समझ नहीं आए परिवार के इरादे- धूमेश्वर धाम महादेव मंदिर से 15 अक्टूबर को रतनगढ़ माता मंदिर से होते हुए दंदरौआ धाम तक पैदल चुनरी यात्रा निकाली गई थी। इस वजह से यहां लोगों की काफी भीड़ थी। इसी दौरान कल्याणी गांव से ममता अपने बच्चों को लेकर ग्वालियर जाने की कह कर निकलीं। चुनरी यात्रा निकल जाने के बाद दोपहर 3.30 बजे से पहले मंदिर में अंदर जाकर पूजा की। इसके बाद लास्ट लोकेशन 3.30 बजे झरने की तरफ जाते हुए दिखाई दी है। इसमे चारों साथ जाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

सुसाइड नोट के एक-एक शब्द में झलक रहा दर्द...– मैं ममता अपने तीनों बच्चों के साथ आत्महत्या करने जा रही हूं, क्योंकि मेरे पति रोज-रोज हमें मरने के लिए मजबूर करते हैं। रोज मुझे, मेरी बेटियों को गालियां देता है। हसिया, फावड़ा, सरिया लेकर जान से मारने की धमकी देता है।

खुद को फांसी लगाकर मेरे और मेरे मायके वालों के नाम केस लगाने की धमकी देता है। रोज मुझे अपने मायके से पैसे लेकर आने के लिए मारपीट करता है। भाजपा का कार्यकर्ता होने पर हमें धमकी देता है कि मेरा कोई कुछ नहीं कर पाएगा और मैं तुम्हारे कर्म करवा दूंगा। कलेक्टर, एसपी मेरी कही हर झूठी बात को सही मानेंगे और कार्रवाई होगी। जैसा में कहूंगा, वैसा ही होगा, मेरा प्रशासन है।

घर का एक-एक सामान तोड़फोड़ दिया है। तीनों बच्चों को पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया है। घर में कोई सामान नहीं लाता, किसी प्रकार का खर्चा नहीं दे रहा है। जैसे-तैसे छोटी सी दुकान से अपना खर्चा चला रहे हैं। उस दुकान के बाहर लाठी लेकर बैठ जाता है। ग्राहकों को सामान लेने के लिए नहीं आने देता है। हमारी आर्थिक स्थिति इतनी खराब है कि अपने बच्चों को पढ़ा भी नहीं पा रही हूं।

अतः में रोज-रोज के इस अपमान गाली खाने से मरने को मजबूर हूं। इतनी प्रताड़ना सहने में असमर्थ हूं। मेरी और बच्चों की मौत का जिम्मेदार सिर्फ और सिर्फ राजेंद्र सिंह ही होगा।